आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,मंगलवार 30 जून 2026 ■ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-15 ■ वर्ष -42 ■ अंक-093 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 01 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

एसआईआर पर विपक्ष का हल्ला-बोल : 23 पार्टियों ने सीजेआई को लिखा पत्र

नई दिल्ली,30 जून। इंडिया गठबंधन के 23 दलों ने एसआईआर और वोट चोरी जैसे मुद्दों को लेकर सीजेआई को एक साझा पत्र भेजा है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 8 जून 2026 को इंडिया गठबंधन की बैठक हुई थी. उस बैठक में 21 पार्टियों और 1 निर्दलीय सदस्य ने हिस्सा लिया था. हालांकि, इस पत्र में क्या लिखा है, इसकी जानकारी साझा नहीं की गई है.

आठ जून की बैठक में यह फैसला लिया गया था कि चीफ जस्टिस को सब मिलकर पत्र लिखा जाएगा. अब मंगलवार को 23 पार्टियों और 1 निर्दलीय के हस्ताक्षर वाला यह पत्र भेज दिया गया है. सबसे बड़ी बात टीएमसी सासंद डेरेक ओ ब्रायन ने दावा किया है कि इस पत्र में डीएमके और आम आदमी पार्टी के भी सिग्नेचर हैं. बता दें कि यह मामला विपक्षी दलों की 8 जून को हुई बैठक के कुछ दिन बाद सामने आया है. उस बैठक में सभी दलों ने पांच मुद्दों पर एकमत होकर सहमति बनाई थी. प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि इंडिया गठबंधन की बैठक पूरी हो गई. इसमें 25 दलों ने हिस्सा लिया. इस दौरान सभी ने अपने विचार रखे और आखिर में हम पांच बिंदुओं पर पूरी तरह सहमत हो गए. हमने फैसला किया है कि इन मुद्दों पर हम लड़ेंगे, काम करेंगे और आगे बढ़ेंगे. उन्होंने आगे कहा कि पहला, ईवीएम, वोट चोरी और चुनाव में धांधली के मामले में हम भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने पर सहमत हुए हैं. यह पत्र जल्द ही उन्हें सौंप दिया जाएगा. दूसरा, हमने शिक्षा मंत्री के तुरंत इस्तीफे की मांग करने पर भी एकमत होकर फैसला किया है क्योंकि उन्होंने नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठे लाखों छात्रों के साथ विश्वासघात किया है.

30 फीट नीचे नदी में गिरी कार, पति-पत्नी घायल

कवर्धा,30 जून। जिले के पांडातराई थाना क्षेत्र स्थित फोक नदी पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। जबलपुर से कोरबा जा रही एक कार अनियंत्रित होकर पुल से करीब 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। हादसे में कार सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को नदी से बाहर निकाला।

इसके बाद उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि जिस पुल पर यह हादसा हुआ, वहां पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

मोदी सरकार के मास्टर प्लान से नहीं होगी पेट्रोल, डीजल और गैस की किल्लत

नई दिल्ली,30 जून। ईरान युद्ध से देश में उपजे पेट्रोल-डीजल और गैस की किल्लत से बचने के लिए मोदी सरकार एक मास्टर प्लान पर काम कर रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार अब कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की स्ट्रेटजिक रिजर्व क्षमता बनाने की योजना पर काम कर रही है। यह इतनी बड़ी होगी कि देश की एक महीने की घरेलू मांग को पूरा कर सके। इस कदम का मकसद फारस की खाड़ी में युद्ध जैसी स्थितियों से पैदा होने वाली सप्लाई संकट से बचना है। रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोलियम मंत्रालय ने इसके लिए एक समिति गठित की है, जो संभावित स्थानों, ऑपरेटिंग मॉडलों और ओवर ग्राउंड और अंडर ग्राउंड स्टोरेज के बीच विभाजन जैसे डिटेल्स की स्टडी करेगी। यह जानकारी मामले से परिचित लोगों ने दी है, हालांकि चर्चा सार्वजनिक नहीं होने के कारण उन्होंने नाम न छापने की शर्त रखी है। दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश पर अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के बाद सबसे अधिक असर पड़ा है, खासकर जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज लगभग पूरी तरह बंद हो गया था। इस संकट ने मीडिल ईस्ट से ऊर्जा आयात पर भारी निर्भरता की कलई खोल दी और साथ ही यह भी दिखा कि मौजूदा भंडार कितने सीमित थे, जिन्हें बफर के रूप में काम करना चाहिए था। हालांकि, पेट्रोलियम मंत्रालय ने इस योजना पर ब्लूमबर्ग के पूछे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। फिलहाल भारत के पास करीब 39 मिलियन बैरल का स्ट्रेटजिक क्रूड ऑयल रिजर्व है, जो लगभग आठ दिनों के आयात के बराबर है। यह एशिया की दूसरी बड़ी ऊर्जा

खपत वाली ताकत चीन के मुकाबले बहुत कम है, हालांकि रिफाइनरियों और रिटेलर्स के पास मौजूद इन्वेंट्री मिलकर 70 दिनों से अधिक की तेल मांग को पूरा कर सकती है। स्ट्रेटजिक रिजर्व की क्षमता को पहले से ही बढ़ाया जा रहा है। देश के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर भूमिगत गुफाओं के माध्यम से यह क्षमता मौजूदा भंडार से दोगुनी से अधिक हो जाएगी, और यह काम करीब पांच साल में पूरा होने की उम्मीद है। अंतिम लक्ष्य कम से कम 120 मिलियन बैरल भंडारण क्षमता हासिल करना है।हालांकि, एलपीजी और एलएनजी का भंडार लगभग न के बराबर है, क्योंकि दोनों को संग्रहित करना मुश्किल होता है। एलपीजी को दबाव में लिक्विड के रूप में रखा जाता है, जबकि एलएनजी को बहुत ही अधिक ठंडे तापमान पर रखना पड़ता है।

मुख्य सचिव का करीबी बताकर 7 लोगों को लगाया लाखों का चूना

बालोद,30 जून। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने ऐसे शातिर महिला को गिरफ्तार किया है जो छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव से पहचान बताकर बेरोजगारों को नौकरी का झांसा देकर ठगने का काम करती थी। आरोपी महिला ने अब तक 7 लोगों से लगभग 25 लाख 50 हजार रुपये की रकम ऐंठ ली है। पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी महिला लता धीवर (उम्र 36 वर्ष), पति आकाश धीवर, निवासी वार्ड क्रमांक 05 ने पीड़ितों को मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन से पहचान होने का झांसा दिया था। उसने किसी को कृषि विभाग तो किसी को जिला अस्पताल में नौकरी लगाने का वादा किया था। हाल ही में तीन पीड़ितों से उसने नौकरी के नाम पर 5 लाख 50 हजार रुपये ठगे थे। जब लंबे समय तक नौकरी नहीं लगी, तब पीड़ितों को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस में की। पुलिस की शुरुआती पूछताछ और जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ है।

नकटी गांव में कार्रवाई पर सियासत

भूपेश बघेल ने कहा- भाजपा नेताओं में अनबन, साव बोले- आपस में लड़ाने की कोशिश न करें

रायपुर,30जून। नकटी गांव में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों को पहले यह पता नहीं था कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल और मुख्यमंत्री के बीच अनबन है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर लोग ओपी चौधरी के घर गए होते तो उनके मकान नहीं टूटते, लेकिन लोग बृजमोहन अग्रवाल के घर गए, इसलिए अगले ही दिन उनके मकानों पर बुलडोजर चला दिया गया। मंगलवार को मीडिया से चर्चा के दौरान भूपेश बघेल के इस बयान पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि भूपेश बघेल अपनी पार्टी पर ध्यान दें और भाजपा के नेताओं को आपस में लड़ाने की कोशिश न करें। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने उत्कृष्ट खिलाड़ियों के अलंकरण, धर्मांतरण, कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर और ग्रामीण विकास से जुड़ी नई व्यवस्था पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों के अलंकरण पर होगी महत्वपूर्ण चर्चा- खेल एवं युवा कल्याण विभाग की बैठक को लेकर उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में उत्कृष्ट खिलाड़ियों के अलंकरण से संबंधित बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि बैठक में खिलाड़ियों के सम्मान और खेलों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी तथा आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

साहू समाज की बैठक में धर्मांतरण पर भी हुई चर्चा-छत्तीसगढ़ साहू समाज की बैठक में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री ने बताया कि समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में समाज को धर्मांतरण के मुद्दे पर जागरूक और सजग रहने की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर पर साधा निशाना- कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर के बाद पार्टी के आक्रामक रुख अपनाने संबंधी सवाल पर अरुण साव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर नहीं, बल्कि अपने नेताओं के बीच संघर्ष में अधिक व्यस्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यदि आक्रामक होगी तो वह एक-दूसरे के खिलाफ होगी। उनके अनुसार पार्टी के पास जनता के हित में कोई स्पष्ट सोच नहीं है और केवल प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने से स्थिति नहीं बदलने वाली।

नई ग्रामीण विकास व्यवस्था का किया समर्थन- ग्रामीण विकास से जुड़ी नई व्यवस्था (वीबी जी राम जी) को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हर राष्ट्रीय निर्णय का विरोध करने की आदत बना चुकी है।

धर्मांतरित परिवारों को गांव छोड़ने का फरमान

नारायणपुर,30जून। जिले में भरण्डा के बाद खड़का गांव में धर्मांतरण को लेकर विवाद शुरू हो गया है. धर्मांतरित परिवारों को गांव छोड़ने का फरमान जारी किया गया है. आदिवासी सामाज के लोगों ने धर्मांतरित परिवारों के घरों से सामानों को बाहर निकाल दिया है.

ग्रामीणों ने घर से बाहर निकाला सामान, भारी पुलिस बल मौजूद

इसके बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है. दरअसल, पूरा मामला खड़का गांव का है. जहां आदिवासी समुदाय और धर्मांतरित परिवारों के बीच भारी विवाद की स्थिति बनी हुई है. ईसाई धर्म अपनाने वाले दो परिवारों पर गांव छोड़ने का दबाव बनाते हुए उनके घरों से सामान बाहर निकाल दिया गया है. ग्रामीणों का कहना है कि धर्मांतरित परिवार गांव के सामाजिक कार्यक्रमों में अन्य ग्रामीणों की तरह चंदा दें और आदिवासी देवी-देवताओं और पारंपरिक रीति-रिवाजों को मानें. वहीं प्रभावित परिवारों का कहना है कि वह साल में केवल एक बार ही चंदा देंगे, लेकिन आदिवासी धार्मिक परंपराओं का पालन नहीं करेंगे. इसको लेकर तनाव बढ़ गया है. स्थिति को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि कोई भी अपिहार्य घटना न हो. मामले में प्रशासन की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.बता दें कि हाल ही में भरण्डा गांव में आदिवासी ग्रामीणों ने 26 धर्मांतरित परिवारों को गांव छोड़ने के लिए कहा था. उनपर दबाव बनाया जा रहा था कि ईसाई धर्म अपना चुके लोग पुरानी संस्कृति में लौटें या फिर गांव छोड़ दें.

हाथी प्रभावित क्षेत्र में 33 केवी लाइन विस्तार पर हाईकोर्ट सख्त

बिलासपुर,30 जून। रायगढ़ जिले के हाथी प्रभावित धरमजयगढ़ वन क्षेत्र में नियम और मानकों का उल्लंघन कर 33 केवी लाइन विस्तार को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। मामले में हाईकोर्ट ने केंद्र, राज्य सरकार और बिजली कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान राज्य और केंद्र सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ताओं ने नोटिस स्वीकार किया, जबकि निजी कंपनी को नियमानुसार नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। राज्य सरकार की ओर से जवाब प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया। कोर्ट ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह की मोहलत दे दी है। जवाब मिलने के बाद एक सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता को रिजॉइंडर दाखिल करने की अनुमति दी। सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि निजी कंपनी की ओर से जवाब पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उस जवाब पर भी प्रत्युत्तर सबमिट करने की छूट दी। जनहित याचिका पर अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 को तय की गई है।याचिका में बताया है कि धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम भालूपखना स्थित धनबादा पावर की 7.50 मेगावाट लघु जल विद्युत परियोजना के लिए आवश्यक वन स्वीकृतियां प्राप्त किए बिना वन एवं राजस्व भूमि में गैर-वानिकी गतिविधियां संचालित की गईं तथा 33 केवी ट्रांसमिशन लाइन विस्तार में भी नियमों की अनदेखी की गई। याचिका में दावा किया गया है कि भालूपखना से चरखापारा तक 11 केवी विद्युत लाइन के नवीनीकरण कार्य के दौरान सीएसपीडीसीएल के नए पोल लगाए गए।

एलबी संवर्ग के शिक्षकों की सातों याचिकाएं खारिज

बिलासपुर,30 जून। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड में पदस्थ एलबी संवर्ग के सात शिक्षकों और व्याख्याताओं को क्रमोन्नत वेतनमान मामले में बड़ा झटका दिया है। न्यायमूर्ति बीडी गुरु की एकल पीठ ने राज्य शासन के वर्ष 2017 के परिपत्र के आधार पर दायर सभी रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि इस कानूनी मुद्दे पर हाईकोर्ट पहले ही स्पष्ट निर्णय दे चुका है, इसलिए इन याचिकाओं में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता।यह मामला धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में कार्यरत सात एलबी संवर्ग के शिक्षकों और व्याख्याताओं से जुड़ा है। इनमें यशोदा साहू, सरिता चंद्राकर, ओमकुमारी कंवर, झबलेश्वरी साहू, मनीष देव वर्मा, छोटेलाल टांडी और पूनम अग्रवाल शामिल हैं।सभी याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता अंकुश सोनी के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई), जिला शिक्षा अधिकारी धमतरी तथा संबंधित जनपद और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पक्षकार बनाते हुए हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं।

परिक्रमा पथ विवाद पर कांग्रेस का चक्काजाम

डोंगरगढ़,30जून। 55 करोड़ रुपाए की बहुचर्चित परिक्रमा पथ परियोजना के विरोध में कांग्रेस के उग्र प्रदर्शन ने मंगलवार को डोंगरगढ़ की यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित कर दी। शहर

के हाईस्कूल चौक पर किए गए चक्काजाम के चलते खैरागढ़, चिचोला, महाराष्ट्र और राजनांदगांव की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति ऐसी बन गई कि प्रशासन को तत्काल वैकल्पिक मार्ग (रूट डायवर्ट) लागू कर वाहनों की आवाजाही सुचारू कराने की व्यवस्था करनी पड़ी। आंदोलन में विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, नवाज खान, कांग्रेस नेता विजयराज सिंह, संध्या देशपाण्डे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और परिक्रमा पथ परियोजना का विरोध कर रहे प्रभावित किसान शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की एवं परिक्रमा पथ परियोजना को तत्काल निरस्त करने की मांग दोहराई। कांग्रेस का आरोप है कि शहर की सबसे बड़ी जरूरत बाईपास और बेहतर यातायात व्यवस्था है, लेकिन प्रशासन इन मुद्दों को नजरअंदाज कर करोड़ों रुपये की परिक्रमा पथ परियोजना को प्राथमिकता दे रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चार प्रमुख मांगें रखते हुए परिक्रमा पथ रद्द करने, बाईपास निर्माण शुरू करने, सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने तथा शहर के तीन प्रमुख चौकों पर स्थायी ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की मांग की।

शराब के नशे में दोस्तों ने पत्थर से कुचलकर युवक की ली जान

धमतरी,30 जून। नगरी क्षेत्र के एक मर्डर का अभी खुलासा हुए चंद घंटे हुए थे कि कुरूद थाना क्षेत्र के ग्राम डाही में एक और कत्ल हो गया। इस बार दोस्तों ने युवक की जान ली है। पूरा मामला शराब के नशे में हुए विवाद से जुड़ा है।

दरअसल 29 जून की रात लगभग 8 से 9 बजे के बीच कुरूद के ग्राम डाही में 8-9 लोग शीतला मंदिर के आगे टॉवर के पास शराब का सेवन कर रहे थे, तभी हुलास मंडावी पिता दिना मंडावी 35 वर्ष और एक युवक के बीच शराब के नशे में लड़ाई झगड़ा हो गया। दोनों एक दूसरे को मां बहन की गली गलौज कर रहे थे, जिसे सब मिलकर समझाने लगे। इसके बाद हुलास मंडावी सभी के साथ गाली गलौज करने लगा। तभी आरोपी तैश में आकर हुलास से हाथ मुक्के वा डंडे से मारपीट की और अंत में बड़े से पत्थर से सिर पर वार कर युवक को मौत के घाट उतार दिया।घटना की सूचना पर कुरूद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घटना स्थल का निरीक्षण किया, जहां पर हुलास मंडावी का शव पड़ा हुआ था। शव पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए कुरूद भेज दिया गया।

मूलत: छत्तीसगढ़ के अनिमेष कुजूर विश्वस्तर पर बना रहे अपनी पहचान

असंभव को संभव में बदलने का दे रहे संदेश

जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टी वी कमेंटेटर , रायपुर.

पिछले 47 वर्षों के खेल पत्रकारिता के दौरान मैंने अपनों के बीच एक कमी पाई है। हम अपनी उपलब्धि दूसरों को बता नहीं पाते हैं क्योंकि हम अब तक अपने आपको स्वयं का प्रवक्ता नहीं बना सके, दूसरी तरफ उपलब्धि हासिल करने वाले की संस्था खुद आगे आकर अपने प्रतिभावान व्यक्तित्व के बारे में सार्वजनिक रूप से दावे के साथ अपना पक्ष भी नहीं रख पाते हैं। मुझे लगता है उपरोक्त उल्लेख का निचोड़ बता देना ही उचित होगा। वास्तव में इस चर्चा के केंद्र में जशपुर जिले के घाट तांगर के रहने वाले विश्व प्रसिद्ध धावक अनिमेष कुजूर हैं। वे भारत में फिलहाल एथलेटिक खेल के 100 मीटर,200 मीटर और 4x100 की रिले दौड़ के विश्व विख्यात धावक के रूप में जाने जाते हैं।

छत्तीसगढ़ ही नहीं भारत के समस्त नागरिकों के लिए गर्व की बात है कि अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर दौड़ में ग्लास्गो स्कॉटलैंड में होने वाली 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों तथा 200 मीटर की दौड़ में जापान में होने वाली एशियाई खेलों के लिए योग्यता हासिल कर ली है। छत्तीसगढ़ शासन के पुलिस विभाग में कार्यरत अनिमेष के माता-पिता ने उन्हें 12वीं तक की शिक्षा अंबिकापुर के सैनिक स्कूल में दिलवाई। 2020 में 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत अनिमेष पहले तो सेना में भर्ती होकर भारतमाता की सेवा करना चाहते थे जिसके कारण अपने माता-पिता के नियुक्त स्थल कांकेर में रहकर घर के पास के मैदान में दौड़ते थे साथ ही फुटबाल भी खेला करते थे। अनिमेष के पिता अमृत कुजूर और माता जी दोनों ही छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में कार्यरत हैं .अनिमेष को कांकेर के मैदान में दौड़ते हुए देखकर उनके साथियों ने उन्हें जिला स्तरीय या राज्य स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता में भाग लेने की सलाह दी। अभिभावकों, शुभचिंतकों, दोस्तों की सलाह पर अनिमेष ने 100 मीटर,200 मी. 100x4 मीटर रिले दौड़ में भाग लेना प्रारंभ किया।

आधुनिक युग में एथलेटिक्स के इवेंट आऊटडोर और इंडोर दोनों ही प्रकार के स्टेडियम में होते हैं। किसी भी खेल में एकल स्पर्धा वाले मुकाबले जीतना टीम भिड़ंत के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण होता है। टीम वाले खेल में 15,11,9,7,5,4 तक के साथियों में आपसी तालमेल का महत्व होता है।जबकि एकल इवेंट में परिणाम दोनों प्रतिभागियों की शक्ति,तकनीक, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, खेल वातावरण, मौसम आदि पर निर्भर करता है। इस प्रकार एथलेटिक्स के खिलाड़ी के लिए जरूरी है कि वह सिर्फ और सिर्फ अपनी दौड़ पर ध्यान केंद्रित करें। प्रशिक्षण के दौरान इन बातों पर विशेष ध्यान देकर प्रतिभागियों को स्पर्धा के लिए तैयार किया जाता है। कड़े परिश्रम, संतुलित आहार के साथ- साथ प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक खिलाड़ी को अपने जीत के प्रति मानसिक रूप से तैयार किया जाता है। कम दूरी के दौड़ जिसमें 100,200,400 मीटर के इवेंट आते हैं इसमें स्टार्ट पलक झपकते ही हो जाता है अतः ऐसे इवेंट में एकाग्रता और मूवमेंट का विशेष महत्व होता है। एथलेटिक्स में किसी चैंपियनशिप की तैयारी के लिए एक प्रशिक्षणार्थी को अपने आप पर नियंत्रण रखकर सफलता को प्राप्त करने की चुनौती होती है। विश्व स्तरीय धावक बनने के लिए आज्ञाकारी और समय का पाबंद होना भी आवश्यक है। 2 जून 2003 को जन्मे अनिमेष कुजूर को 2022 में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर मिली सफलता ने भुवनेश्वर स्थित ओडिसा रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफारमेंस सेंटर के कोच मार्टिन ओवंस तथा जेम्स हिलर का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्हें लगा कि अनिमेष में 100 व 200 मीटर के कम दूरी के दौड़ में विश्व स्तरीय धावक बनने के गुण हैं। उन्होंने तत्काल ही अनिमेष को अपने कोचिंग सेंटर के लिए चुन लिया। फिर शुरू हुआ उनका सुव्यवस्थित प्रशिक्षण का दौर जिसकी वजह से अनिमेष ने राष्ट्रीय,अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कई स्पर्धा में पदक जीते। 2025 में विश्व एथलेटिक्स मुकाबले के लिए योग्यता हासिल करने वाले ने पहले भारतीय पुरुष हैं। गुमी में संपन्न एशियन चैंपियनशिप और ब्रिक्स गेम्स 2024 जो कजान में हुआ उसमें दोनों से अनिमेष ने कांस्य पदक जीता।फिलहाल वे भारत के 200 मी. की दौड़ के सर्वश्रेष्ठ तथा 100 मीं. के दूसरे स्थान के धावक हैं। संभवतः छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ रायपुर के जाने अनजाने में हुई त्रुटि की वजह से अनिमेष ने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी नहीं होने का प्रमाण पत्र लेकर ओडिसा एथलेटिक्स संघ की सदस्यता ले ली है। इसका अफसोस है लेकिन अनिमेष को छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहने से कोई रोक नहीं सकता .

अमलीडीह में जनपद अध्यक्ष ने पल्स पोलियो अभियान में निभाई भागीदारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के ग्राम अमलीडीह में कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार समाजसेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के लिए सभी को प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम के बाद उन्होंने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत नवजात एवं छोटे बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि अपने बच्चों को समय-समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं, ताकि देश को पूरी तरह पोलियो मुक्त बनाया जा सके। इसके पश्चात श्रीमती नायक ने ग्राम अमलीडीह के खेल मैदान में बनने वाली बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना के विकास से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास, जनसेवा और प्रत्येक वर्ग के हितों की रक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य के साथ विकास एवं जनकल्याण के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। इस अवसर पर सरपंच गोकूल साहू, कमलेश्वरी साहू, शैलेष शर्मा, खेमचंद जोशी, नीरा चौहान, फुलेश साहू, जितेंद्र साहू, भुनेश्वरी धीवर, वेणु ठाकुर, प्रतिमा पटेल, गीतांजली, लक्ष्मी गुर्वेकर, उषा साहू, निर्मला साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एक नजर

पात्र उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा चावल, अनियमितता की शिकायत

भिलाई, 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत मिलने वाले चावल के वितरण को लेकर कैंप-2 क्षेत्र से अनियमितता की शिकायतें सामने आई हैं। कई पात्र उपभोक्ताओं का आरोप है कि उन्हें निर्धारित समय पर राशन नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें बार-बार उचित मूल्य की दुकान के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उपभोक्ताओं के अनुसार, जब वे राशन लेने सोसाइटी पहुंचते हैं तो उन्हें यह कहकर लौटा दिया जाता है कि चावल का स्टॉक समाप्त हो गया है और अगले महीने आने को कहा जाता है। इससे जरूरतमंद परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि सरकार द्वारा पर्याप्त मात्रा में चावल उपलब्ध कराया जाता है, इसके बावजूद राशन नहीं मिलने से वितरण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कुछ उपभोक्ताओं ने चावल के वितरण में गड़बड़ी और कालाबाजारी की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की है।

कलेक्टर ने नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण, व्यवस्था का लिया जायजा

दुर्ग, 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज सुपेला स्थित कल्याणी सोशल वेलफेयर एंड रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में भर्ती मरीजों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, उपचार एवं काउंसलिंग की जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने केंद्र के संचालक अजय कल्याणी को भोजन, दवाइयों की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था तथा चिकित्सकीय सेवाओं की समीक्षा करते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र केवल उपचार का स्थान नहीं, बल्कि नशे की लत से जूझ रहे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने मरीजों के समग्र पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

शराब की अवैध बिक्री करने वाली महिला गिरफ्तार

भिलाई, 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगपुरा चौकी पुलिस ने बताया कि चौकी नगपुरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम दमोदा पारधी पारा में एक महिला अपने घर के सामने गौठान के पास अवैध रूप से शराब बिक्री कर रही है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा महिला को अवैध शराब बिक्री करते हुए पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने उरला, दुर्ग एवं मोहन नगर बायपास स्थित शासकीय शराब दुकानों से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में शराब खरीदकर अवैध रूप से बिक्री करना स्वीकार किया। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया है।

भैरव बाबा मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। नवनिर्मित भैरव बाबा मंदिर कैम्प-2 में स्वर्गीय बाबूराम गहलोत एवं स्वर्गीय चंदा देवी गहलोत की स्मृति में आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सप्ताह भर चले इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर हवन, पूजन एवं अन्य अनुष्ठानों में आहुति अर्पित की। शुरुआत 22 जून को मंडप निर्माण, वेदी पूजन, अग्नि प्रकट एवं स्थापना, मूर्ति जलाधिवास तथा पुष्पाधिवास के साथ हुई। इसके बाद 23 जून को वेदी पूजन, नित्य हवन, मूर्ति घृताधिवास एवं तैलाधिवास, 24 जून को नित्य पूजन, हवन एवं फ्लाधिवास तथा 25 जून को नित्य पूजन, हवन एवं धान्याधिवास की धार्मिक विधियां संपन्न कराई गईं। 26 जून को भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण पहुंची। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। 27 जून को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भैरव बाबा की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा, विशेष हवन, पूर्णाहुति, महाआरती एवं महाभंडारे का आयोजन किया गया। यज्ञाचार्य एवं ज्योतिषाचार्य पं. आशीष भादाणी तथा यज्ञ ब्रह्मा योगेश ओझा शास्त्री के सान्निध्य में प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। मंदिर में स्थापित भैरव बाबा की प्रतिमा भी बीकानेर से विशेष रूप से मंगाई गई।

ढांचा भवन में आध्यात्मिक कथा सम्पन्न सांसद विजय बघेल ने की मंगलकामना

भिलाई, 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ढांचा भवन कुरुद में आयोजित दो दिवसीय आध्यात्मिक कथा का समापन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के वातावरण में हुआ। कार्यक्रम में भैरवी धाम की पीठाधीश एवं सुप्रसिद्ध कथा वाचक सुमिरन माई ने अपने प्रवचनों के माध्यम से धर्म, संस्कृति, सेवा, भक्ति और मानवता का संदेश देते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर भक्ति रस में सराबोर हुए। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण कर कथा वाचक सुमिरन माई से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कथा श्रवण से मन को शांति, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन को सही दिशा मिलती है।आयोजन में सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, रौशन ताम्रकार, राजा ठाकुर, भानु सिंह सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

मोबाइल दुकान में घुसकर मारपीट, मामला दर्ज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। सुपेला थाना क्षेत्र के स्थित आकाशगंगा मार्केट में संचालित एक मोबाइल दुकान में घुसकर दुकानदार के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। रिपोर्ट पर सुपेला पुलिस ने चार नामजद आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। सुपेला पुलिस ने बताया कि दुर्ग के सोनार गली गंजपारा निवासी मनीष जैन (49) आकाशगंगा सुपेला में भोमियाजी इलेक्ट्रॉनिक मोबाइल शाप का संचालन करते हैं। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज करायी कि 27 जून की शाम करीब 7.30 बजे वह अपनी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान राजेश बूरण, राकेश बूरण, आनंद श्रीश्रीमाल, जीतू श्रीश्रीमाल तथा एक महिला सहित अन्य लोग उनकी दुकान पर पहुंचे। आरोपियों ने आते ही उनसे कहा कि उन्होंने उसे पैसे दिए हैं और वह रकम वापस करे। इस पर मनीष जैन ने कहा कि उनका आरोपियों से किसी प्रकार का लेनदेन नहीं है। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। शिकायत के अनुसार सभी आरोपी एकजुट होकर गाली-गलौज करने लगे और हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी।

मनीष जैन ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया तो आरोपियों ने उन्हें खींचकर उनके कपड़े फाड़ दिए तथा लगातार मारपीट करते रहे। इस दौरान आरोपियों ने पैसे नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट में उनके हाथ, आंख तथा शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले में धारा 115 (2), 296, 3(5), 351 (3)?के तहत अपराध दर्ज किया है।

कबीर कोहिनूर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित हुए अंकुश देवांगन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। राजस्थान के नागौर जिले स्थित अखिल भारतीय कबीर मठ, बड़ी खाटू में आयोजित कबीर जयंती महोत्सव के दौरान सुप्रसिद्ध मूर्तिकार एवं कला शिक्षाविद डॉ. अंकुश देवांगन को कबीर कोहिनूर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में यूरोपियन अभिनेत्री सिल्विया डे ला रोजा सांजो, स्पेन से आध्यात्मिक विश्व गुरु महर्षि उमेश योगी, पद्मश्री कालूराम बामनिया, पद्मश्री डॉ. भूपेंद्र कुमार, पद्मश्री हिम्मताराम भांभू तथा अखिल भारतीय कबीर मठ, बड़ी खाटू के अधिष्ठाता महंत डॉ. नानकदास महाराज प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी, बी.एल. सोनी, प्रवीण कालमेघ, सचिन थनवार, मीना देवांगन तथा साहित्यकार मेनका वर्मा सहित अनेक कला एवं साहित्य जगत की हस्तियों ने उन्हें बधाई दी हैं।

निकाय कर्मियों की मांगों पर डिप्टी सीएम साव से महासंघ की चर्चा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री अरुण साव से स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ (बीएमएस) के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुलाकात की।

महासंघ ने 15 सूत्रीय मांगपत्र सौंपते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष शरद दुबे के नेतृत्व में नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम, नगरपालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया। मांगपत्र पर बिंदुवार चर्चा करते हुए मंत्री अरुण साव ने विभागीय सचिव एवं संचालक से दूरभाष पर चर्चा कर महासंघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मांगों के निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महामंत्री अनिल सिंह ने बताया कि मांगपत्र में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण, ठेका प्रथा समाप्त कर प्लेसमेंट कर्मचारियों को नियमित करने, पांच लाख रुपये तक की कैशलेस उपचार सुविधा, निकायों का नया सेटअप जारी करने, छठवें एवं सातवें वेतनमान के एरियर का भुगतान, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित देयकों का शीघ्र भुगतान, प्रत्येक माह सात तारीख तक नियमित वेतन, पदोन्नति सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने तथा अनुकंपा नियुक्ति संबंधी निर्देश जारी करने के लिए उपमुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में हरिशंकर चतुर्वेदी, संजय मिश्रा, विष्णु चन्द्राकर, दुर्गेश गुप्ता, रामवृक्ष यादव, गोपाल सिन्हा, कृष्णा देशमुख, नवीन साहू, शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा, विवेक रंगनाथ, सुमन गुप्ता, पूजा ताम्रकार, नंदिनी, अनीता साहू, लव शर्मा, आशीष एवं दीपक निषाद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रथयात्रा के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन, दुर्ग व रायपुर के यात्रियों को मिलेगी सुविधा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। रथयात्रा के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने गोंदिया-

पुरी-गोंदिया के मध्य विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 08801/08802 रथयात्रा स्पेशल का संचालन चार-चार फेरों के लिए किया जाएगा, जिससे छत्तीसगढ़ सहित ओडिशा जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 08801 गोंदिया-पुरी रथयात्रा स्पेशल 2, 9, 16 एवं 29 जुलाई 2026 को गोंदिया से दोपहर 1.30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, खरियार रोड, कांटाबांजी, टिटलागढ़, बलांगीर, बरगढ़ रोड, संबलपुर, अंगुल, तालचेर रोड, ढेंकानाल, कटक, भुवनेश्वर एवं खुर्दा रोड होते हुए अगले दिन सुबह 10 बजे पुरी पहुंचेगी। दुर्ग स्टेशन से यह ट्रेन शाम 3.58 बजे तथा रायपुर स्टेशन से शाम 5.10 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 08802 पुरी-गोंदिया रथयात्रा स्पेशल 3, 10, 17 एवं 30 जुलाई 2026 को पुरी से दोपहर 1 बजे रवाना होगी और निर्धारित ठहरावों के बाद अगले दिन सुबह 7 बजे गोंदिया पहुंचेगी। वापसी यात्रा में यह ट्रेन रायपुर स्टेशन पर रात 3.10 बजे तथा दुर्ग स्टेशन पर सुबह 4.28 बजे पहुंचेगी।

दो दिवसीय सुरक्षा सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिता आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिता सुरक्षा का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बी.के. बेहरा ने किया। अजय टह्लू ने सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। मुख्य महाप्रबंधक डी. सत्पथी ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक डी. सत्पथी, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, निर्णायकगण, मेंटर्स, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी सेफ्टी सर्किल टीमों के सदस्य उपस्थित रहे।

सरपंच की शिकायत पर फर्जीवाड़ा करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 जून। रानीतराई प्रभारी कमल सिंह सेंगर ने बताया कि ग्राम पंचायत तेलीगुंडरा की सरपंच हुलेश्वरी साहू ने थाना रानीतराई में लिखित शिकायत प्रस्तुत की थी कि ग्राम तेलीगुंडरा निवासी धनेश्वर कुमार निर्मलकर द्वारा लगभग 1800 वर्गफुट भूमि का फर्जी पट्टा एवं पंचायत प्रमाण पत्र तैयार कर आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, न्यू दीपक नगर, दुर्ग में आवास ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है शिकायत की जांच के दौरान सरपंच एवं अन्य गवाहों के कथन लिए गए। पंचायत अभिलेखों के परीक्षण में यह प्रमाणित हुआ कि संबंधित पट्टा प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत द्वारा कभी जारी नहीं किया गया था। दस्तावेज पर अंकित मुहर एवं प्रमाणन भी ग्राम पंचायत का वास्तविक नहीं पाया गया। विवेचना के दौरान आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से आरोपी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां प्राप्त की गई संस्था द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ऋण आवेदन स्वीकृत नहीं किया गया तथा आवेदन निरस्त कर दिया गया। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना रानीतराई में अपराध क्रमांक 71/2026, धारा 318 (4), 62, 338, 336(3), 340(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी धनेश्वर कुमार निर्मलकर (40) निवासी ग्राम तेलीगुंडरा थाना रानीतराई को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

विधायक ने धनोरा बूथ में भाजपा किसान मोर्चा के साथियों के साथ सुनी पीएम मोदी की मन की बात

मन की बात केवल रेडियो कार्यक्रम नहीं है, यह जन-जन की बात है : चंद्राकर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 30 जून। तुलसी पैलेस, धनोरा स्थित बूथ क्रमांक 199 में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, जिला दुर्ग के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विधायक ललित चंद्राकर ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात'ड्ड के 135वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना गया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं है, यह जन-जन की बात है। प्रधानमंत्री इस माध्यम से देश में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और सकारात्मक कार्यों को जनता के सामने रखते हैं, जिससे प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलती है।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी गणेशोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से निर्मित भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा वर्षा जल के प्रत्येक बूंद के संरक्षण का संदेश देते हुए जल संचय को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के जीवित रूट ब्रिज का उल्लेख करते हुए प्रकृति और मानव के अद्भुत समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विज्ञान, तर्क और जागरूकता के माध्यम से समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। असम की महिलाओं द्वारा 'हरगिला आर्मी' के माध्यम से दुर्लभ पक्षी हरगिला के संरक्षण और उससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास जनजागरूकता का प्रेरक उदाहरण है।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संचालित नागालैंड बेबी लीग और नागालैंड वुमन फुटसाल लीग जैसी पहलों का उल्लेख किया। साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय एवं सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ाने के प्रयासों की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि डोमिनिकन रिपब्लिक में 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' के सदस्य वैदिक साहित्य का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति से जुड़ रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की महिलाओं द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट से सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने की पहल स्वच्छता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिला महामंत्री दिलीप साहू, किसान मोर्चा जिला प्रभारी बिलास तुषार, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रोहित राजपूत, उपाध्यक्ष विनोद चंद्राकर, सह प्रभारी किसान मोर्चा रविंदर सिंह, महामंत्री राजेन्द्र यादव, महामंत्री अजीत चंद्राकर, प्रदेश सह संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ प्रीतेश दुबे, उतई नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू, उतई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, महामंत्री चंदू देवांगन, प्रवीण यदु, सोसाइटी अध्यक्ष फ्लेंद्र सिंह राजपूत, धनोरा सरपंच श्रीमती रुलेश्वरी बंजारे, पूर्व सरपंच चंद्रशेखर बंजारे, पार्षद श्रीमती संगीत रजक, पार्षद श्रीमती सुनीता चंद्राकर, नीमल गढ़े, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती विमला कामडे, नोमेश्वर पिपरिया, व्यसनारायण वर्मा, मनोज शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

मोटरसाइकिल चोरी के प्रकरण में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में मिली सफलता

राजनांदगांव 30 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में थाना लालबाग पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार कार्यवाही में थाना लालबाग में दर्ज अपराध क्रमांक 138/2026 धारा 303(2), 336(3), 238, 3(5) बीएनएस के तहत् मोटर सायकल चोरी के मामले में 01 फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में लालबाग पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी मिथुन वैष्णव पिता तोरण दास वैष्णव, उम्र 30 वर्ष, निवासी बजरंग चौक वार्ड नं. 10, शंकरपुर, चौकी चिखली थाना कोतवाली जिला राजनांदगांव ने अपने भाई सह आरोपी लोकेश वैष्णव के साथ मिलकर प्रार्थी दिनेश कुमार कंवर के होंडा शाइन मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 08 एक्यू 0294 ग्राम बनभेड़ी के पास से दिनांक 05.04.2026 को चोरी कर ले गये थे। प्रकरण की विवेचना के दौरान दिनांक 31/05/2026 को मामले में 01 आरोपी लोकेश वैष्णव से चोरी का मोटरसाइकिल बरामद कर जप्त किया गया था तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। प्रकरण में फरार आरोपी मिथुन वैष्णव को आज दिनांक को पता तलाश कर गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी को विधिवत न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

सरस्वती साइकिल योजना से वैष्णवी के सपनों को मिली नई उड़ान'

रायपुर, 30 जून। सरस्वती साइकिल वितरण योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी पहल है, जिसके तहत हाई स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को स्कूल तक आवागमन सुगम बनाने के लिए निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना, उन्हें दूरदराज के क्षेत्रों से सुरक्षित और समय पर स्कूल पहुँचाने में मदद करना और ड्रॉप-आउट दर को कम करना है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक पहल साबित हो रही है। सूरजपुर जिले के शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुर की छात्रा वैष्णवी कसेरा को निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई, जिससे उसके शिक्षा के सपनों को नई उड़ान मिली है। बाजारपारा निवासी वैष्णवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पहले वह प्रतिदिन पैदल विद्यालय आती-जाती थी, जिससे समय के साथ-साथ पढ़ाई पर भी प्रभाव पड़ता था। अब शासन से निःशुल्क साइकिल मिलने के बाद विद्यालय पहुँचना आसान हो जाएगा और वह नियमित रूप से अध्ययन कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अब मेरे सपनों को नया पंख मिल गया है। पहले पैदल विद्यालय आती थी, अब साइकिल से विद्यालय जाऊंगी और मन लगाकर पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करूंगी।

सोसायटियों में ध्वजारोहण, उप-नियमों की जानकारी पाकर जागरूक हुए किसान

रायपुर, 30 जून। छत्तीसगढ में 29 जून से 6 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा हैस इसका मुख्य उद्देश्य किसानों, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है स राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सहकारिता ध्वजारोहण कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सहसपुर समिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अंचल के अनेक जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों और वक्ताओं ने सहकारिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सोसायटियों के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सशक्त बनाना ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात सभी समितियों में विशेष सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में उपस्थित किसानों और समिति के सदस्यों के समक्ष संस्था के उप-नियमों का विस्तार से वाचन कर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को समिति के नियमों, उनके अधिकारों और सहकारी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि पूरी पारदर्शिता के साथ सहकारिता के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाया जा सके। इस गरिमापूर्ण अवसर पर सहकारी समितियों के प्रबंधक, संचालक मंडल के सदस्य, स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बैगा आदिवासी परिवारों के लिए पीएम-जनमन के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट बनी जीवनदायिनी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

साल्हेवारा, 30 जून। दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले बैगा आदिवासी परिवारों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन का सराहनीय प्रयास लगातार रंग ला रहा है। भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत विकासखंड छुईखदान के पीएम-जनमन ग्राम संजारी में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से बैगा आदिवासी ग्रामीणों को उनके गांव की चौखट पर ही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रेम कुमार पटेल के निर्देशन, मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा तथा सहायक आयुक्त श्री स्वर्णिम शुक्ला के मार्गदर्शन, नोडल अधिकारी डॉ. मनीष बघेल एवं श्री बृजेश ताम्रकार के पर्यवेक्षण में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा यह अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

ग्राम संजारी पहुंची मोबाइल मेडिकल यूनिट का ग्रामीणों ने आत्मीय स्वागत किया। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहुंचे। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने प्रत्येक मरीज का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया, निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया तथा जरूरतमंद मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की सलाह भी दी। ग्रामीणों ने बताया कि अब मामूली उपचार और स्वास्थ्य जांच के लिए लंबी दूरी तय कर अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। गांव में ही स्वास्थ्य सेवाएं मिलने से समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा समय पर उपचार मिलने से स्वास्थ्य के प्रति विश्वास भी बढ़ा है। बैगा समुदाय के लोगों ने शासन और स्वास्थ्य विभाग की इस जनहितैषी पहल की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अनुसार पीएम-जनमन योजना के तहत चिन्हित बैगा बाहुल्य एवं अन्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट का नियमित भ्रमण जारी रहेगा। इस अभिनव पहल का उद्देश्य दुर्गम अंचलों में निवासरत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदायों तक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर उनके जीवन स्तर और स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत बनाना है।जब स्वास्थ्य सेवाएं गांव की चौखट तक पहुंचती हैं, तब विकास केवल योजनाओं में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में दिखाई देता है।

संत कबीर का संदेश आज भी समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक : गहलोत

संत कबीर के आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सेवा की भावना मजबूत होगी : मुख्यमंत्री

रायपुर, 30 जून। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत आज राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सदुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे

हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज जब समाज सामाजिक विभाजन और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संत कबीर की वाणी पहले से अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सोनपैरी कबीर आश्रम द्वारा शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आश्रम राष्ट्र निर्माण की चेतना को सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत कबीर की तपोभूमि और उनके अनुयायियों की पावन धरती है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन कबीरपंथी समाज के बीच बीता है और संत कबीर की वाणी का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत कबीर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, जाति-पांति और आडंबर के विरुद्ध जनजागरण में समर्पित किया। उन्होंने निर्भीक होकर सत्य का साथ दिया और अपने सरल किंतु प्रभावशाली विचारों से समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज भी उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख आवासों की स्वीकृति मिली है तथा 10 लाख से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब सुरक्षा बलों के साहस और केंद्र सरकार के सहयोग से शांति एवं विकास का नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए पीएम जनमन योजना, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ की है। उन्होंने लोगों से इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि तय समय-सीमा में शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

बैंक से निकाली रकम को महिला के स्कूटी की डिक्की से चोरी करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 30 जून। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भापुसे) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एंव नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के दिशा-निर्देश में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं आरोपियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस चौकी तुमडीबोड़ को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। प्रकरण के अनुसार, प्रार्थीया रीता वैष्णव निवासी ग्राम दर्राबांधा तेन्दूनाला दिनांक 02.06.2026 को जिला सहकारी बैंक तुमडीबोड़ से नगद राशि निकालकर अपने स्कूटी की डिक्की में रखकर अपने घर जा रही थी, रास्ते में वह छत्तीसगढ होटल तुमडीबोड़ में नाश्ता करने के लिए रुकी। इसी दौरान आरोपीयों ने बड़ी ही सफाई एवं योजनाबद्ध तरीके से स्कूटी की डिक्की में रखे नगदी रकम 44,000/-रु को चोरी कर मौके से फरार हो गए। घटना

की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस चौकी तुमडीबोड़ द्वारा तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया, सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर आरोपीयो की पहचान कर पतासाजी की गई, तत्पश्चात आरोपी को मुलतई मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने अन्य साथी जतीन ग्वाला के साथ मिलकर चोरी की घटना को कारित करना स्वीकार किया। प्रकरण का अन्य आरोपी नितिन ग्वाला फरार है, जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही है। आरोपी विजय सिंह पिता आनंदराम उम्र 42 वर्ष साकिन कण्ड्रजा कांशापारा विजयनगर थाना कंम्पू जिला रायगढ (छ.ग.) को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में सायबर थाना राजनादगांव प्रभारी निरी0 विनय पम्मार, आर0 प्रख्यात जैन, आर0 हरीश ठाकुर, आर0 विकास केशरवानी तथा पुलिस चौकी तुमडीबोड़, प्रभारी उप निरी. धनीराम नारगें, सउनि चुन्नी लाल साहू, आर0 1273 लोकेश साहू एवं चौकी तुमडीबोड़ स्टॉफका सराहनीय योगदान रहा।

यूरिया वितरण में किसानों को बड़ी राहत

रायपुर, 30 जून। खरीफ सीजन में किसानों को यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने उर्वरक वितरण व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार अब पात्र किसानों को खरीफ 2025 में मिली यूरिया की मात्रा के बराबर ही खरीफ 2026 में भी यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा। इससे किसानों को समय पर खाद मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। प्रदेश में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए पहले लागू कुछ प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत किसानों को उनकी पात्रता के अनुसार यूरिया का वितरण किया जाएगा। यदि संबंधित सहकारी समिति में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तो किसानों को एकमुश्त यूरिया दिया जाएगा।

नगरी में शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त, 76 सरकारी स्कूल सिर्फ एक-एक शिक्षक के भरोसे, तीन हजार बच्चों का भविष्य अंधकार में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 30 जून। नगरी विकासखंड की शिक्षा व्यवस्था की बदहाली ने सिस्टम की पोल खोल दी है। जल, जंगल, जमीन संघर्ष समिति के प्रमुख, आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज साक्षी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि नगरी ब्लॉक के 76 सरकारी स्कूल केवल एक-एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इसमें 50 प्राथमिक शाला और 26 मिडिल स्कूल शामिल हैं। इस गंभीर स्थिति के कारण क्षेत्र के लगभग 3000 से अधिक स्कूली बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। मनोज साक्षी ने शिक्षा का अधिकार कानून आरटीई का हवाला देते हुए कहा कि आरटीई एक्ट के तहत 30 बच्चों पर 1 शिक्षक अनिवार्य है लेकिन नगरी ब्लॉक में हालात ये हैं कि एक शिक्षक को एक साथ 5 कक्षाओं को संभालना पड़ रहा है। वही शिक्षक हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान सब विषय पढ़ाएगा। इसके अलावा मिड-डे-मील की व्यवस्था, शाला का पूरा डाक कार्य, चुनाव ड्यूटी, बीएलओ का काम भी उसी एक शिक्षक के जिम्मे है। ऐसे में सवाल उठता है कि बच्चों की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई कब और कैसे होगी? मनोज साक्षी ने इसे नक्सल प्रभावित आदिवासी अंचल की शिक्षा पर सीधा हमला करार दिया।

उन्होंने कहा कि नगरी-सिहावा क्षेत्र पहले से ही गरीबी और अशिक्षा से जूझ रहा है। अब अगर स्कूल में शिक्षक ही नहीं होगा तो पालक अपने बच्चों को स्कूल क्यों भेजेंगे? इसका सबसे बुरा असर आदिवासी लड़कियों की शिक्षा पर पड़ेगा। लड़कियां सबसे पहले स्कूल छोड़ने को मजबूर होंगी। उन्होंने आगे आगाह किया कि आज जो बच्चे बुनियादी शिक्षा से वंचित रह जाएंगे, 10 साल बाद यही बच्चे बेरोजगार होकर महानगरों की ओर पलायन करेंगे या फिर भटक कर गलत रास्ते पर चले जाएंगे। क्या प्रदेश सरकार आदिवासी अंचल के बच्चों के लिए यही भविष्य चाहती है?

सरकार के सामने रखीं 4 सूत्रीय मांगें: शिक्षा की इस भयावह स्थिति को सुधारने के लिए मनोज साक्षी ने सरकार के सामने 4 सूत्रीय मांग पत्र रखा है। नगरी विकासखंड को 'विशेष शिक्षक भर्ती जोन' घोषित किया जाए। स्थानीय शिक्षित युवाओं को प्राथमिकता देते हुए अगले 3 माह के भीतर सभी रिक्त पदों पर शिक्षकों की पदस्थापना सुनिश्चित की जाए। नगरी जैसे दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शिक्षकों को रोकने के लिए 'दूरस्थ क्षेत्र भत्ता' दोगुना किया जाए। वर्तमान में शिक्षक यहां जॉइन करते ही कुछ महीनों में ट्रांसफर करा लेते हैं, जिससे पद फिर से खाली हो जाते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी धमतरी की जवाबदेही तय की जाए कि उनके जिले में शिक्षा का अधिकार अधिनियम का खुला उल्लंघन कैसे हो रहा है और इतने बड़े पैमाने पर स्कूल शिक्षक विहीन क्यों हैं। सरकार की युक्तियुक्तकरण नीति पूरी तरह विफल साबित हुई है। शहर के स्कूलों में शिक्षक सरप्लस यानी जरूरत से ज्यादा हैं, जबकि नगरी जैसे दूरस्थ गांवों के स्कूल शिक्षकों के लिए तरस रहे हैं। इस नीति को तत्काल बंद किया जाए।

डिजिटल इंडिया के दावों की नगरी क्षेत्र में हवा निकल रही: मनोज साक्षी ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इन मांगों पर शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस गंभीर मुद्दे को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के माध्यम से आगामी विधानसभा सत्र में प्रमुखता से उठवाएंगे। उन्होंने कहा कि सीतानदी-उदंती टाइगर रिजर्व के नाम पर नगरी के 60 गांव पहले से ही सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, मोबाइल नेटवर्क जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। अब बच्चों से उनका पढ़ने का मौलिक अधिकार भी छीना जा रहा है। आदिवासी अंचल पर यह दोहरी मार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार पर हमला बोलते हुए साक्षी ने कहा कि एक तरफसरकार डिजिटल इंडिया और स्मार्ट क्लास की बड़ी-बड़ी बातें करती है, दूसरी तरफनगरी के स्कूलों में बच्चों को ब्लैकबोर्ड पर पढ़ाने वाला शिक्षक तक नसीब नहीं है। जब बुनियादी शिक्षा ही नहीं मिलेगी तो आदिवासी बच्चे डिजिटल दुनिया से कैसे जुड़ेंगे? सरकार का यह कैसा विकास मॉडल है जहां शिक्षा का अधिकार ही खतरे में है।

पुलिस ने शहर के 12 कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी और सुरक्षा मानकों की सघन जांच की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 30 जून। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के नेतृत्व में आज शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी और सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के लिए एक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया. इस अभियान के तहत थाना कोतवाली, बसंतपुर और चिखली क्षेत्र के लगभग 12 प्रमुख कोचिंग संस्थानों का पुलिस टीमों द्वारा सघन निरीक्षण किया गया.

निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम ने कोचिंग संस्थानों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास, आपातकालीन खिड़कियों, विद्युत वायरिंग, विद्युत सुरक्षा उपकरणों, सीढ़ियों एवं निकासी मार्गो सहित अन्य सुरक्षा मानकों का बारीकी से परीक्षण किया.

सभी कोचिंग संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने संस्थानों में निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें. पर्याप्त संख्या में कार्यशील फायर एक्सटिंग्विशर, स्पष्ट निकास मार्ग, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था तथा आपातकालीन स्थिति में विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकालने की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए.

लापरवाही मिलने पर होगी वैधानिक कार्रवाई: पुलिस अधिकारियों द्वारा संचालकों को यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर संबंधित प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी. इस विशेष अभियान में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक उपेंद्र शाह, थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक एमन साहू सहित दोनों थानों व पुलिस लाइन के लगभग 25 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर कोचिंग संस्थानों का सघन निरीक्षण किया तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए.राजनांदगांव पुलिस विद्यार्थियों एवं आमजन की सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी ऐसे विशेष निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

चाकू से जानलेवा हमला, एक घंटे में आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव 30 जून। जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर धारदार चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद बसंतपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर जब्त कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। बसंतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोहड़ में 28 जून 2026 को पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर धारदार चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल दीपक चन्द्राकर को तत्काल जिला चिकित्सालय राजनांदगांव में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार जारी है। घायल दीपक चन्द्राकर ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह अपने साथियों के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान त्रिलोक ठेला के पास पहले से मौजूद घनश्याम निषाद उर्फ घन्सू उर्फ गुनगुन ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपी ने पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए कहा कि आजकल बहुत बातें करता है और गांव में हीरोपंथी करता है। इसके बाद उसने गाली-गलौज शुरू कर दी और अपने पास रखे धारदार चाकू से दीपक के पेट और दाहिने हाथ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में दीपक गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही बसंतपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल से पूछताछ के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने अपराध क्रमांक 302/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में विशेष टीम का गठन किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वारदात के मात्र एक घंटे के भीतर आरोपी घनश्याम निषाद उर्फ घन्सू उर्फ गुनगुन (20 वर्ष), निवासी शीतलापारा, वार्ड क्रमांक-49, मोहड़, थाना बसंतपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू बरामद कर जब्त किया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

हर सत्ता अपने होने का एहसास कराती है

सत्ता मतलब होता है अस्तित्व और कोई भी अस्तित्व है तो वह अपने होने का एहसास कराता ही है। उसमें व्यक्तिगत या सामूहिक अहंकार होता है,जहां भी अहंकार होता है वह यह सहन नहीं कर सकता है कि कोई उसके होने से इंकार कर दे यानी उसकी ओर ध्यान न दे, कोई उसकी उपेक्षा करे। हर आदमी की अपनी सत्ता होती है,अपना अस्तित्व होता है, अपना अहंकार होता है, इसी अहंकार यानी मैं हूं, मैं कुछ खास हूं, मैं सबसे शि्क्तशाली हूं, वह चाहता है कि हर कोई उसकी सत्ता के स्वीकार करे, उसके होने को स्वीकार करे, उसके शक्तिशाली होने को स्वीकार करे,उसके सामने सिर झुकाए। चाहे व्यक्ति हो या संस्था सभी की मानसिकता एक ही होती है क्योंकि अहंकार किसी का हो वह एक जैसा होता है। वह तब ही संतुष्ट होता है जब उसे स्वीकार किया जाता है कि हां तुम हो, हम तुम्हें स्वीकार करते है, हम मानते हैं कि तुम ताकतवर हो,तुम कुछकर सकते हो।इसलिए जब भी मौका मिलता है कि संस्थाएं अपने अहंकार होने के कारण अपने होने का एहसास कराती रहती हैं। कोई भी संस्था हो उसे बहुत सारे लोगों ने मिलकर बनाया होता है। वह किसी धर्म जाति, भाषा,वर्ग को हो वह उस जाति,धर्म,भाषा,क्षेत्र के सामूहिक अहंकार का प्रतिनिधित्व करता है और मौका मिलने पर प्रतिक्रिया भी करता है। देश के कई हिस्सो में ऐसी घटनाएं हुई हैं कि जिससे धर्म,जाति,समाज के सामूहिक अहंकार को सामने आने का मौका मिला है और वह चाहे अकाल तख्त हो,राम मंदिर चोरी का मामला हो, भारत भूषण तिवारी के एनकाउंटर का मामला हो सामूहिक अहंकार सामने आकर देश को बता रहा है कि हम हैं और हम यह चाहते हैं और केंद्र सरकार व राज्य सरकारों को वह करना चाहिए जो हम चाहते हैं।सबसे पहले अकाल तख्त का मामला है। यह सिखों की सबसे बड़ी धार्मिक संस्था है। इसके अपने कायदे कानून है। इसके जत्थेदार ने जो कह दिया, उसे सिख समाज को मानना पड़ता है। पंजाब की राजनीति में इसका बड़ा महत्व है और जो होशियार लोग होते हैं वह जत्थेदार का उपयोग अपनी राजनीति के लिए करते रहे हैं। सिख समाज,पंजाब, पंजाबकी राजनीति में उनका महत्व है इसलिए जब भी मौका मिलता है तो अकालतख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज भी यह बताने से नहीं चूकते हैं कि तुम होगे राज्य के सीएम लेकिन मैं तुमसे बड़ा हूं और मैं जो कहूंगा उसे राज्य की जनता व सिख समाज मानेगा तुम जो कहोगे उसे कोई नहीं मानेगा। अब पंजाब का सीएम कह रहा है कि मैंने कुछ गलत नहीं किया है लेकिन कोई मान नहीं रहा है क्योंकि जत्थेदार ने कह दिया कि सीएम ने गलत किया है। इसका सीधा असर राजनीति पर पडऩा तय है, अगले चुनाव पर पडऩा तय है। आम आदमी पार्टी के सामने बड़ी मुसीबत है कि उनके पास एक ही राज्य बचा था और अब जत्थेदार के आदेश के बाद कि सीएम ने गलत किया है, आप के लिए अगला चुनाव जीतना मुश्किल हो गया है क्योंकि जत्थेदार ने कह दिया है कि सीएम ने गलत किया है। चुनाव में इसका प्रचार होगा। गलत करने वाले सीएम को कौन वोट देगा। अब केजरीवाल की मुश्किल यह है कि वह सीएम को हटाते हैं तो माना जाएगा कि सीएम ने वाकई में गलत किया है यानी आप पर भी दाग लगना ही लगना ही है कि आप के सीएम ने ऐसा गलत काम किया है। पंजाब के अकाली दल, कांग्रेस जो सत्ता के दावेदार है,सब चुप हैं कि इसका लाभ उनको मिलना है।ऐसे वक्त में राहुल गांधी को यह याद नहीं आ रहा है कि हमारे देश में संविधान सबसे ऊपर है, सबको संविधान को मानना ही होगा। कोई भी धार्मिक संस्था संविधान से बड़ी नहीं हो सकती। देश में सीएम का पद संवैधानिक है। वह किसी धार्मिक संस्था के आदेश को मानने का बाध्य नहीं है। कोई नहीं कह रहा है कि धार्मिक सत्ता अलग है और संवैधानिक संस्था अलग हैं. इसका परिणाम यह हुआ है कि अब अकाल तख्त के जत्थेदार ने साफ कह दिया है कि सरकार ने जो बेअदबी विरोधी कानून में आपत्तिजनक धाराएं हैं,उनको एक महीने के भीतर हटाने का निर्देश दिया है। जत्थेदार ने 15 जून को सिख विधायकों व मंत्रियों को स्पष्टीकरण के लिए पीठ के समक्ष पेश होने को कहा था. कोई इस आदेश का पालन न करने की हिम्मत नहीं कर सका। सब पेश हुए और सबसे जत्थेदार ने सबको निर्देश दिया है कि बेअदबी विरोधी कानून में बीड़ की जगह स्वरूप शब्द लिखें और कस्टोडियन शब्द को हटाएं। उन्होंने साफ कह दिया कि यह तय करने का अधिकार सरकार या विधानसभा का नहीं है बल्कि पंथ और अकालतख्त साहिब का है।उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिबों के स्वरूपों को यूनिक नंबर देने पर भी आपत्ति जताई,कहा सरकार सुझाव दे सकती है,आदेश नहीं दे सकती। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि बेअदवी कानून बनाते समय न तो अकाल तख्त से राय ली गई, न ही शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से राय ली गई। उन्होंने मंत्रियों विधायकों से कहा है कि जल्द ही बेअदबी विरोधी एक्ट पर आपत्तियों की सूची सौंप दी जाएगी और सरकार को पंथ की भावनाओं का सम्मान करते हुए जरूरी संशोधन करने होंगे। उन्होंने साफ किया है कि कानून बनाना सरकार का अधिकार है,पर धर्म से जुड़े कानून में संशोधन से पहले एसजीपीसी व अकाल तख्त से परामर्श जरूरी है। इससे साफ हो जाता है कि पंजाब में जो धार्मिक सत्ता है उसे जब भी मौका मिलता है वह संविधान की सत्ता के सामने खड़ी हो जाती है और खुद को उससे बड़ी नहीं तो उससे बराबरी का दम तो भरती है। इसका क्या मतलब होता है कि तुम होगे संवैधानिक सत्ता ,होगा कानून बनाना तुम्हारा अधिकार लेकिन धर्म के बारे में कोई कानून बनाओगे तो तुम अकेले नहीं बना सकते,तुमको हम बताएंगे कि कैसे बनाना है। तुम अपने अधिकार का उपयोग करोगे तो हम अपने अधिकार का उपयोग करेंगे और तुमको मजबूर कर देंगे कि तुम कानून बनाओ लेकिन हमारे कहे अनुसार बनाओ। हिंदुओं की ऐसी कोई संस्था नहीं है जो सरकार यानी संवैधानिक संस्था को चुनौती दे सके। उसे हर मामले में सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ता है या बुला लिया जाता है। हर मामले में हिंदू समाज संविधान का सबसे ज्यादा सम्मान करने वाला समाज लेकिन उसे ही राजनीति में सबसे ज्यादा संविधान विरोधी बताने का प्रयास किया जाता है और जहां संविधान का सबसे ज्यादा अपमान किया जाता है वहां सब चुप रह जाते हैं किसी में हिम्मत नहीं है।

विश्लेषण

ईरान कैसे बना महाशक्ति

तनवीर जाफ़री

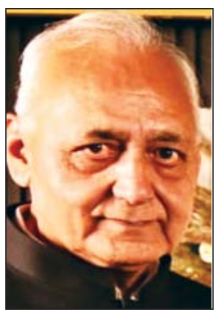

अमेरिका, इज़राइल द्वारा ईरान पर जून 2025 में 12 दिन का और उसके बाद 28 फरवरी 2026 को लगभग 40 दिन का युद्ध थोपा गया था। अचानक थोपे गये इस युद्ध में हालांकि ईरान को जान व माल का काफ़ी नुक़सान हुआ परन्तु ईरान ने भी परमाणु शक्ति संपन्न हुये बिना ही इन दोनों परमाणु शस्त्र संपन्न देशों को ऐसा करारा जवाब दिया कि आख़िरकार स्वयं को विश्वविजेता कहलाने वाले अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने के रास्ते तलाशने पड़े। इतने कम समय के युद्ध में अमेरिका व इस्राईल को इतना नुक़्सान पहले कभी नहीं उठाना पड़ा। आज अमेरिका से लेकर इस्राईल तक की जनता यह स्वीकार कर रही है कि इस युद्ध में हर मोर्चे पर ईरान ही विजेता रहा है । क्योंकि ईरान अमेरिका द्वारा युद्धोपरांत हस्ताक्षर किये गये सहमति पत्र में स्वीकार की गयी अधिकांश बातें ईरान के हक़ में तथा ईरान को फ़ायदा पहुँचाने वाली हैं। हालांकि अमेरिका द्वारा पुनः युद्धविराम के समझौते का उल्लंघन कर ईरान पर कई बड़े हमले करने व ईरान द्वारा भी कुवैत व बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कड़ी जवाबी कार्रवाई करने के समाचार हैं। ऐसे में सवाल यह है कि लगभग 50 वर्षों से वैश्विक प्रतिबंधों का भी सामना करने वाले इस देश ने अत्यंत सीमित संसाधनों के बावजूद अमेरिका व इज़राइल जैसे शक्तिशाली,चालबाज़ व छल कपट में माहिर देशों का एक साथ मुक़ाबला कैसे किया ? इसमें कोई संदेह नहीं कि ईरानी लोग मुसलमानों के उस शिया वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं जो हज़रत अली,हज़रत इमाम हुसैन व करबला की उस घटना से प्रेरणा लेते हैं जो असत्य,अन्याय व अत्याचार के आगे कभी सर न झुकाने की सीख देती है। इसके साथ साथ ईरान ने धरातल पर जो दूरगामी व सधी हुई रणनीति अपनाई उसी ने ईरान को न केवल अमेरिका व इस्राईल जैसे परमाणु शक्ति संपन्न देशों पर विजय दिलाई बल्कि ईरान को विश्व की महाशक्तियों की सूची में भी शामिल कर दिया। अमेरिका व इस्राईल की नाराज़गी के भय से पूरे युद्ध के दौरान आधिकारिक रूप से किसी भी देश ने ईरान की सहायता नहीं की न ही ईरान ने खाने-पीने की चीज़ों व दवाईयों तक के लिये कोई अपील जारी की। युद्ध शुरू होते ही रोटी, पेट्रोल और डीज़ल ईरानियों के लिये

निःशुल्क कर दिए गए ताकि उन्हें युद्ध के बोझ का एहसास न हो। अमेरिकी व इस्राईली भीषण बमबारी के बावजूद, एक भी ईरानी नागरिक ने पलायन नहीं किया हाँ विदेशों में रहने वाले हज़ारों ईरानी अपने देश की रक्षा की ग़रज़ से स्वदेश वापस ज़रूर लौटे। युद्ध के दौरान, कई प्रमुख मंत्री अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों में प्रदर्शनकारियों के साथ निडर होकर सारी सारी रात सड़कों पर नज़र आये। हद तो यह है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकीयान स्वयं बाज़ारों में जाकर वस्तुओं के मूल्य व जनसुविधाओं का जायज़ा लेते नज़र आये । सवाल यह है कि ईरान के लोगों व वहाँ के नेतृत्व में इतना दृढ़ विश्वास आया कहाँ से ? तो आइये नज़र डालते हैं कुछ उन छोटी छोटी सामान्य बातों पर जिसे भले ही दुनिया के अधिकांश देशों के लोग व वहाँ का नेतृत्व सम्मान या सम्पन्नता की नज़रों से क्यों नदेखते हों परन्तु ईरान के लोगों ने इनसे दूर रहना ही राष्ट्रहित में समझा। मिसाल के तौर पर ईरान के सुप्रीम लीडर ने अपना निजी मकान तक नहीं ख़रीदा। ईरान के मंत्रियों और शीर्ष सैन्य अधिकारीयों व अन्य आला अफ़सरों के बच्चे विदेश में पढ़ाई करने नहीं जाते। ईरानी सरकार का कोई भी सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी विदेशी बैंकों में पैसे जमा नहीं कर सकते। ईरान का कोई भी मंत्री,जनरल या उच्चाधिकारी देश के बाहर कोई दूसरा मकान नहीं बनाता। ईरान के सुप्रीम लीडर बिना दिखावे व प्रचार के रोज़ाना 18 घंटे काम करते हैं। वहां कोई भी अमेरिकन या यूरोपीय शिक्षण संस्थान नहीं हैं। ईरान में साक्षरता दर 97 प्रतिशत है क्योंकि शिक्षा मुफ़्त है। इसीलिये वहां के अधिकांश लोग डॉक्टर इंजीनियर,प्रोफ़ेसर आदि हैं जिसका साक्षात् नतीजा ईरान ने पिछले युद्ध के दौरान अपनी ड्रोन व मिसाईल क्षमता को साबित कर दुनिया को दिखा भी दिया। तमाम प्रतिबंधों के बावजूद वहां जनता की जेब काटने जैसी कोई टैक्स व्यवस्था नहीं है। यदि परिस्थितिवश वहां मूलयवृद्धि होती भी है तो दूसरी तरफ़ सुप्रीम लीडर के बजट से लोगों को साथ साथ उतनी ही राहत भी दी जाती है। वहां महिलायें कम्युनिटी प्रोग्राम में हिस्सा लेती हैं। प्रसव निःशुल्क हैं, साथ ही बच्चे के जन्म पर मां के खाते में कम से कम 20,000 रू का उपहार भी भेजा जाता है। प्रत्येक इलाज का 70% सरकार देती है, जबकि 30% मरीज़ देता है। चोरी, डकैती,बेईमानी,बलात्कार जैसे अपराध बिल्कुल नहीं है। चंदा या दान चोरी की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। वहां रॉयल कल्चर या प्रोटोकॉल जैसी कोई चीज़ नहीं है। ईरान भिखारी रहित देश है। वहां के नियमानुसार पुलिस सूर्यास्त से सूर्योदय तक किसी अपराधी के घर में नहीं घुस सकती क्योंकि वह समय उसकी पत्नी और बच्चों का होता है। वहाँ की जेलें ख़ाली हैं, और अगर कोई अपराधी जेल जाता भी है, तो उसे जेल में काम दिया जाता है, जिसकी तंख़्वाह/मज़दूरी उसके घर भेजी जाती है ताकि उसके परिवार के लोग पैसों के अभाव में किसी अपराध में शामिल न हों। ईरान में धर्म जाति जैसी कोई विसंगति नहीं है इसलिये कभी साम्प्रदायिक व जातीय दंगे नहीं होते। छुआछूत जादू टोना जैसी कोई प्रथा नहीं है। यहां विभिन्न धर्मों के मानने वाले व उनके अनेक पूजा स्थल हैं, धर्म के मामलों में सभी को पूरी आज़ादी है। यहां अध्यापकों को सर्वाधिक सम्मान दिया जाता है। घरेलू नौकर रखने का यहाँ चलन नहीं है। अपने सभी घरेलू काम स्वयं करने पड़ते हैं। इतने अंततर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद यहाँ के लोगों के चेहरों पर हंसी मुस्कान व संतोष नज़र आता है। कोई भी व्यक्ति चिढ़ा कुढ़ा या ग़ुस्से में नज़र नहीं आता। ईरानियों के इसी स्वभाव हौसले,जज़्बे,कुर्बानी व उनके ईमान की वजह से ही दुनिया के तमाम देश जहाँ अमेरिका व इस्राईल से नफ़रत करने लगे हैं बल्कि वे ईरान से प्यार भी कर रहे हैं व उनका साथ भी दे रहे हैं। इन्हीं व इन जैसे अनेक कारणों की वजह से ही लगभग 50 वर्षों से वैश्विक प्रतिबंध झेलने व अमेरिका जैसी महाशक्ति से लोहा लेने वाला देश आज न केवल 'विजेता ' बनकर उभरा है बल्कि इसने विश्व की महाशक्तियों में भी अपना नाम दर्ज करवा लिया है।

सू- दोकू क्र.085

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.084 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य - 085

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 084 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क		बे	ल
	र	ज	नी	च	र			[illegible]
मु	स्का	न		न	म	की	न	
सा	र		स			ट	ख	ना
फि		अ	जा	य	ब		रा	जा
र	च	ना		था	ल			य
		धि		र्थ		स	मा	ज
उ	प	कृ	त		आ	वा	ज	
ल्लू		त			ब	ल	रा	म

राशिफल

मेष मेष राशि वालों को लाभ होगा। आपकी लंबे समय से चली आ रही कोई चिंता अब धीरे-धीरे समाप्त होती दिखाई दे रही है। आज आपका मन जरूरतमंदों की सहायता और पुण्य कार्यों में भी विशेष रूप से लगा रहेगा।

वृषभ वृषभ राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना आज बेहद आवश्यक रहेगा। यदि बजट पर ध्यान नहीं दिया, तो बाद में असुविधा महसूस हो सकती है।

मिथुन आपके लिए दिन खास हो सकता है। लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन निरंतर प्रयास से सफलता अवश्य मिलेगी। संपत्ति या घर खरीदने का सपना अब हकीकत के करीब आता दिखाई दे रहा है।

कर्क आज आपको धैर्य को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाना होगा। घर का वातावरण आनंद और उत्साह से भर जाएगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किस्मत भी आपका पूरा साथ दे सकती है। किसी शुभ समाचार से पूरे परिवार में खुशी का माहौल बनेगा।

सिंह दिन सामान्य रहेगा। माता-पिता का सहयोग और आशीर्वाद आपके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देगा। यदि किसी करीबी से मनमुटाव चल रहा है, तो उसे बातचीत के जरिए सुलझाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है।

कन्या लाभ मिलने के आज पूरे योग है। समाज में आपका सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने के संकेत हैं, जिससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। लंबे समय से रुका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य आज गति पकड़ सकता है और आपको राहत का अनुभव होगा।

तुला राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ संकेत दे रहा है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर उत्साह लेकर आ सकते हैं। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगी। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

वृश्चिक परिवार के बड़े सदस्य कोई ऐसी सलाह दे सकते हैं जो भविष्य में आपके लिए बेहद मूल्यवान साबित होगी। आज अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना ही आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आर्थिक मामलों में भी सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। धैर्य बनाए रखें, सफलता आपके करीब है।

धनु पुराने लेन-देन को निपटाने के लिए समय अनुकूल रहेगा। नए लोगों से बढ़ती पहचान भविष्य में लाभ और अवसर दोनों लेकर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर किसी अजनबी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना ठीक नहीं होगा। आज आप अपनी संतान को जीवन के मूल्य और संस्कारों की सीख भी दे सकते हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाने में सफलता मिलेगी।

कुंभ नए लोगों से आप मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण विषय पर पिताजी की सलाह आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। संतान की ओर से मिली कोई खुशखबरी पूरे परिवार के चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है।

मीन आज आपका ध्यान अपनी जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने पर अधिक रहेगा, जिससे खर्च भी बढ़ सकता है। सोच-समझकर बोले गए शब्द आपके लिए सम्मान और सफलता दोनों लेकर आ सकते हैं।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने

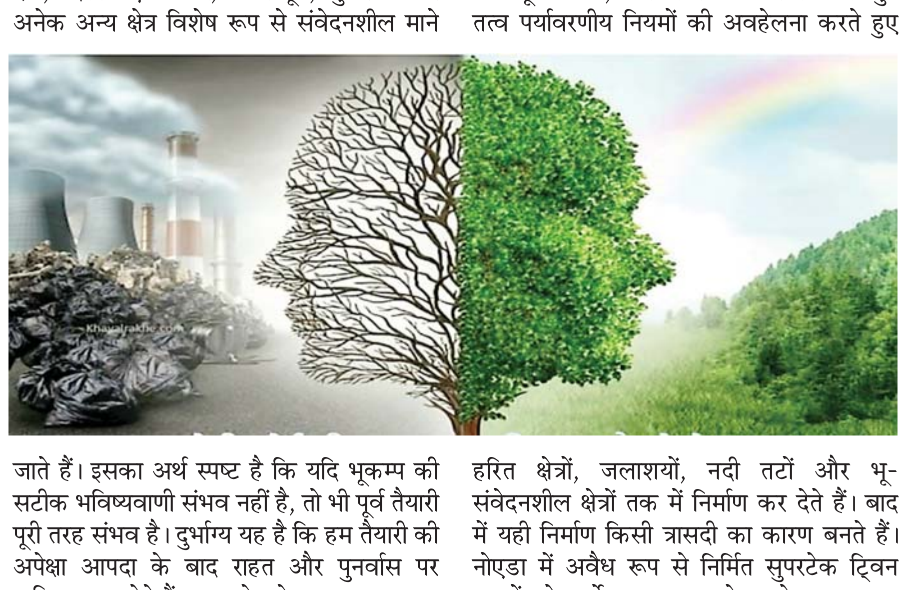

जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

एक नजर

चित्रकोट जलप्रपात में 10 करोड़ की लेजर लाइट वर्षों बाद भी शुरू नहीं हो सकी

जगदलपुर, 30 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में नाइट टूरिज्म को नई पहचान देने का सपना अब सवालों के घेरे में है। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से लगाई गई लेजर लाइट वर्षों बाद भी शुरू नहीं हो सकी है। दो-तीन बार परीक्षण के बावजूद परियोजना आज तक नियमित संचालन में नहीं आ पाई। चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने मामले पर नाराजगी जताते हुए संबंधित विभाग से जानकारी लेकर स्थिति स्पष्ट कराने की बात कही है। अब बड़ा सवाल यही है कि आखिर करोड़ों की यह महत्वाकांक्षी योजना कब अंधेरे से निकलकर पर्यटकों के लिए रोशनी बिखेरेगी। मिली जानकारी के अनुसार इसे लगाने वाले ठेकेदार ने सिस्टम किसी विभाग को आधिकारिक रूप से हैंडओवर ही नहीं किया। नतीजा यह है कि रख-रखाव के अभाव में कई लाइटें और उपकरण गायब हो चुके हैं। लेजर शो में उपयोग होने वाली बैटरियां भी अब वहां मौजूद नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि परियोजना का कभी औपचारिक उद्घाटन तक नहीं हुआ। आज पर्यटकों के स्वागत में खड़े पोल तो दिखाई देते हैं, लेकिन उन पर रोशनी नहीं जलती। पर्यटकों का कहना है कि यदि यह लेजर शो शुरू हो जाए तो चित्रकोट की खूबसूरती रात में भी देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित कर सकती है। स्थानीय लोगों का भी मानना है कि करोड़ों की यह परियोजना यूं ही बंद रहना सरकारी संसाधनों की बर्बादी है।

पहली ही बारिश में जलभराव से नगर पंचायत भोपालपट्टनम में जनजीवन प्रभावित

बीजापर, 30 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के नगर पंचायत भोपालपट्टनम में पहली ही बारिश ने विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। नगर के कई वार्डों में जलभराव की गंभीर समस्या एक बार फिर सामने आई है। नालों और नालियों की समुचित सफाई नहीं होने तथा जल निकासी व्यवस्था कमजोर होने के कारण बारिश का पानी सड़कों और लोगों के घरों में घुस रहा है। इससे आमजन का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या पिछले पांच वर्षों से लगातार बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। नगरवासियों के अनुसार प्रत्येक वर्ष बरसात से पहले नालों की सफाई और विकास कार्यों पर लाखों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन इसका लाभ धरातल पर दिखाई नहीं देता। लोगों का आरोप है कि नालों की नियमित सफाई नहीं होने से उनमें मिट्टी, कचरा और झाड़ियां जमा रहती हैं, जिससे पानी का बहाव रुक जाता है और थोड़ी सी बारिश में ही सड़कों पर पानी भर जाता है। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत के अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए उनका कहना है कि नगर की समस्याओं के बावजूद नियमित निरीक्षण नहीं किया जाता। सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है, जिसके कारण नालों में गंदगी जमा रहती है और जल निकासी बाधित होती है। उनका कहना है कि निर्माण कार्यों पर खर्च तो दिखाया जाता है, लेकिन उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो हर वर्ष बरसात के मौसम में लोगों को इसी तरह परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

मानसून में मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए सतर्क रहें-सीएमएचओ

दंतेवाड़ा, 30 जून । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके ने जिलेवासियों से मानसून के दौरान मौसमी बीमारियों के प्रति विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में उल्टी-दस्त, मलेरिया, पीलिया सहित विभिन्न संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। समय पर उपचार और उचित सावधानी नहीं बरतने पर ये बीमारियां गंभीर रूप ले सकती हैं। डॉ. रामटेके ने बताया कि दूषित भोजन, अशुद्ध पेयजल, अस्वच्छता तथा वायरस एवं बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण इन बीमारियों के फैलने की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने नागरिकों से खाने-पीने की वस्तुओं एवं पानी को हमेशा ढककर रखने, बासी भोजन एवं सड़े-गले फलों का सेवन न करने तथा केवल ताजा और स्वच्छ भोजन ग्रहण करने की सलाह दी।

बीजापुर प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी और समितियों का हुआ गठन

- पत्रकारों की मौजूदगी में लिए गए अहम फैसले, संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने पर सर्वसम्मति

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 30 जून। पत्रकार भवन में सोमवार को जिला पत्रकार संघ (प्रेस क्लब) की महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष संतोष कन्नम की अगुवाई में आयोजित किया गया। बैठक में नई कार्यकारिणी का पुनर्गठन करने के साथ-साथ जिम्मेदारियों की घोषणा भी की गई। संगठन की आगामी चुनाव के मद्देनजर अनुशासन के साथ पारदर्शिता एवं प्रभावी बनाने के लिए मजबूत कदम उठाया गया।

पत्रकार भवन में आयोजित बैठक में संगठन के 42 सदस्य शामिल हुए। इस दौरान संगठन विस्तार, नए सदस्यता अभियान, लंबित सदस्यता शुल्क तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए ईश्वर लाल सोनी को सचिव, श्रीनिवास कोयलकर को सह सचिव, बी. गौतम राव एवं दीपक मरकाम को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सम्मैया पागे को मीडिया प्रभारी तथा सुरेश परतागिरी को सह मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। आगामी संगठनात्मक चुनावों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मो. अयूब खान और अशोक मिश्रा को निर्वाचन समिति का सदस्य बनाया गया। संगठन में अनुशासन एवं संगठनात्मक मर्यादा बनाए रखने के लिए अनुशासन समिति का भी गठन किया गया। इसमें कमलेश्वर पैकरा को समिति का अध्यक्ष तथा मुर्गेश शेट्टी एवं गणेश मिश्रा को सदस्य नियुक्त किया गया। बैठक में पत्रकार हितों की सुरक्षा, संगठन की एकजुटता और पत्रकारों से जुड़े मुद्दों को प्रशासन एवं शासन स्तर पर मजबूती से उठाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे संगठन की गरिमा, पारदर्शिता और पत्रकार हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी सक्रियता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। बैठक के अंत में अध्यक्ष कन्नम संतोष ने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत उसकी एकजुटता और सक्रियता में है। उन्होंने सभी सदस्यों से संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने और पत्रकारों के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

देवस्नान, चंदन जात्रा पूजा विधान के साथ बस्तर गोंचा महापर्व का हुआ शुभारंभ

- भगवान श्रीजगन्नाथ का हुआ महाभिषेक, 14 जुलाई तक नहीं होगें दर्शन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 30 जून। रियासत कालीन बस्तर गोंचा महापर्व 2026 का शुभारंभ आज सोमवार को श्रीजगन्नाथ मंदिर, जगदलपुर में देवस्नान (चंदन जात्रा) पूजा विधान के साथ श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में हुआ। इस अवसर पर भगवान श्रीजगन्नाथ, देवी सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी का पंचामृत, चंदन तथा इंद्रावती नदी के पवित्र जल से विधि-विधान से परंपरानुसार वैदिक मत्रोचार के बीच देवस्नान-महाभिषेक किया गया। इससे पूर्व परंपरानुसार ग्राम आसना से भगवान शालीग्राम को लाकर श्रीजगन्नाथ मंदिर में स्थापित किया गया। तत्पश्चात 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के ब्राह्मणों के द्वारा इंद्रावती नदी से पवित्र जल लेकर मंदिर पहुंचे। भगवान शालिग्राम का पंचामृत एवं चंदन से अभिषेक करने के पश्चात इस बार देवस्नान की पूरी प्रक्रिया का विस्तार कर भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी के विग्रहों का मंदिर के गर्भगृह के बाहर मंदिर प्रांगण में मंच स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देवस्नान-महाभिषेक संपन्न कराया गया।इससे पहले मंदिर के गभगृह के बाहर इस प्रक्रिय को संपन्न करवाया जाता रहा है, जिसका विस्तार पहली बार किया गया है। पूजा-अर्चना के उपरांत भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं बलभद्र के 22 विग्रहों को मुक्ति मंडप में स्थापित कराया गया। इसके साथ ही भगवान का अनसर काल प्रारंभ हो गया, जो 14 जुलाई तक चलेगा। इस अवधि में श्रद्धालुओं के लिए भगवान के दर्शन वर्जित रहेंगे। अनसर काल में भगवान को विशेष औषधियुक्त भोग अर्पित किया जाएगा, जिसका प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा।

360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने बताया कि बस्तर गोंचा पर्व के अनवरत 619 वर्षों से चली आ रही रियासतकालीन परंपरानुसार समस्त पूजा विधान संपन्न किये जायेगें, जिसकी पूरी तैयारी कर ली गई है, आगामी 15 जुलाई को नेत्रोत्सव पूजा विधान के साथ प्रभु जगन्नाथ के दर्शन होंगे, 16 जुलाई को श्रीगोंचा रथ यात्रा पूजा विधान के साथ ही भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी जनकपुरी सिरहासार भवन में नौ दिनों तक श्रृद्धालुओं के दर्शनार्थ स्थापित होगें, इस दौरान समस्त श्रृद्धालुओं को पुण्य लाभ का पावन अवसर प्राप्त होगा।

बस्तर गोंचा समिति के संरक्षक एवं ब्राम्हण समाज के पूर्व अध्यक्ष ईश्वर खंबारी ने बताया कि बस्तर गोंचापर्व 2026 में देव स्नान पूर्णिमा चंदन जात्रा पूजा विधान 29 से प्रारंभ हो गया है। तय कार्यक्रम के अनुसार भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी का अनसर काल 30 जून से प्रारंभ होकर 14 जुलई तक जारी रहेगा। 15 जुलाई को नेत्रोत्सव पूजा विधान के साथ भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी, देवी सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी के दर्शन लाभ श्रृद्धालुओं को श्रीमंदिरके बाहर होगें । 16 जुलाई को श्रीगोन्चा रथ यात्रा, 19 जुलई को प्रातः 10 बजे से अखण्ड रामायण पाठ प्रारंभ होगा, 20 जुलाई को हेरा पंचमी पूजा विधान होगा, 21 जुलाई को छप्पन भोग अर्पण, 23 जुलाई को सामूहिक उपनयन संस्कार, 24 जुलाई को बाहुड़ा गोन्या रथ यात्रा एवं कपाट फेड़ा पूजा विधान होगा, 25 जुलाई को एकादशी के साथ बस्तर गोंचा पर्व का आगामी वर्ष के लिए परायण के साथ संपन्न होगा।

बस्तर गोंचा महापर्व समिति के अध्यक्ष मुक्तेश्वर पाण्डे ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चंदन जात्रा पूजा विधान के पश्चात भगवान श्रीजगन्नाथ का 15 दिवसीय अनसर काल की अवधि होती है । इस दौरान भगवान श्रीजगन्नाथ अस्वस्थ होते हैं, भगवान के अस्वथता के हालात में दर्शन वर्जित होते हैं । भगवान श्रीजगन्नाथ के स्वास्थ्य लाभ के लिए औषधियुक्त भोग का अर्पण कर भगवान जगन्नाथ की सेवा 15 दिनों के अनसर काल में 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के सेवादारों एवं पंडितों के द्वारा किया जायेगा । औषधियुक्त भोग के अर्पण के पश्चात इसे श्रधालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। विशेष औषधियुक्त प्रसाद का पूण्य लाभ श्रद्धालु अनसर काल के दौरान श्रीजगन्नाथ मंदिर में पहुचकर प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन दर्शन वर्जित होगा।

इस अवसर पर 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के पदेन पानीग्राही राधाकांत पाणिग्राही, पदेन पाढ़ी उमाशंकर पाढ़ी, सुदर्शन पाणिग्राही, आत्माराम जोशी, नरेंद्र पाणिग्राही, राकेश पांडे, बसंत पांडा, गजेंद्र पाणिग्राही, महेश्वरी पांडे, रविंद्र पांडे, चिंतामणि पांडे, विजय पांडे, दिलेश्वर पांडे, मिथिलेश पाणिग्राही, बनमाली पाणिग्राही, विम्भाधर पांडे, प्रशांत पाणिग्राही, महेंद्रनाथ जोशी, आशु आचार्य, मोहन जोशी, मिनेश पाणिग्राही सहित समाज के पदाधिकारी, महिला सदस्य, युवा समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दंतेवाड़ा में जगन्नाथ महाप्रभु का 108 कलश से स्नान कराया

- दंतेवाड़ा में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई भगवान जगन्नाथ की देव स्नान पूर्णिमा

दंतेवाड़ा 30 जून। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की देव स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर दंतेवाड़ा में भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान जगन्नाथ महाप्रभु का 108 कलशों के पवित्र जल से महाअभिषेक (देव स्नान) किया गया। सनातन परंपरा में देव स्नान पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है, जिसमें भगवान को 108 कलशों से स्नान कराने की परंपरा निभाई जाती है।

स्नान अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं के लिए दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक महाप्रसाद स्वरूप अन्नभोज का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

आयोजन समिति के अनुसार, दंतेवाड़ा में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की देव स्नान पूर्णिमा का यह धार्मिक आयोजन वर्ष 2021 से लगातार आयोजित किया जा रहा है। हर वर्ष श्रद्धालुओं की भागीदारी बढ़ रही है, जिससे यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बनता जा रहा है। इस अवसर पर भक्तों ने भगवान जगन्नाथमहाप्रभु से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति की कामना करते हुए जय जगन्नाथ महाप्रभु के उद्घोष के साथ उत्सव को श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाया गया।

बस्तर जिले में लक्ष्य के 89 प्रतिशत बच्चों को पिलाई जा चुकी पोलियो की खुराक

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 30 जून। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बस्तर जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण के इस महाअभियान में आज दूसरे दिन बस्तर जिले के 89 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा चुकी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बस्तर जिले में इस बार 0 से 5 वर्ष की आयु वर्ग के कुल 1,20,804 बच्चों को जीवन रक्षक पोलियो की दवा पिलाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस महाअभियान में निर्धारित लक्ष्य में बस्तर जिले के 89 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा चुकी है। इसके लिए 20 मोबाइल और 24 ट्रांजिस्ट टीमों के साथ 1,932 टीकाकरण कर्मी और 97 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। बस्तर जिले का पोलियो उन्मूलन में उल्लेखनीय उपलब्धि रहा है, जहां वर्ष 1996 से अब तक पोलियों का एक भी मामला सामने नहीं आया है। इसके साथ ही, छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2002 से और संपूर्ण भारतवर्ष में वर्ष 2011 से पोलियो का कोई भी पॉजिटिव प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है और इस गौरवशाली निरंतरता को बनाए रखना ही इस अभियान का मुख्य ध्येय है।

निर्दोष आदिवासी बंदियों की रिहाई की उठी मांग

- विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, विशेष जांच कर मानवीय आधार पर रिहाई की मांग
- विधायक ने कहा- आत्मसमर्पित नक्सलियों को मिली माफी तो निर्दोषों को भी मिले न्याय

बीजापुर 30 जून। बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने नक्सल मामलों में वर्षों से जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों की रिहाई की मांग को लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। उन्होंने राज्य सरकार से विशेष पहल करते हुए ऐसे मामलों की जांच कराने और निर्दोष बंदियों को मानवीय आधार पर माफी देकर शीघ्र रिहा करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में विधायक ने कहा है कि बस्तर संभाग आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और बीजापुर जिला लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा है। इस दौरान अनेक ग्रामीणों को नक्सली मामलों में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इनमें कई ऐसे गरीब और निर्दोष आदिवासी भी शामिल हैं, जो अशिक्षा, आर्थिक तंगी और कानूनी सहायता के अभाव में न्यायालय में अपना पक्ष प्रभावी ढंग से नहीं रख सके और वर्षों से जेलों में बंद हैं।

विधायक ने पत्र में उल्लेख किया है कि वर्तमान में बस्तर का माहौल तेजी से बदल रहा है और क्षेत्र नक्सलवाद से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार द्वारा आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत राहत और माफी दी जा रही है। ऐसे में जिन आदिवासियों का नक्सली गतिविधियों से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है और जो लंबे समय से जेलों में बंद हैं, उनके मामलों की भी संवेदनशीलता के साथ समीक्षा की जानी चाहिए।

विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि नक्सली मामलों में बंद सभी संदिग्ध आदिवासी बंदियों के प्रकरणों की विशेष जांच कराई जाए। जांच में निर्दोष पाए जाने वाले बंदियों को मानवीय आधार पर माफी देकर तत्काल रिहा किया जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और आदिवासी समाज का शासन एवं न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हो।

गोवंश वध के 12 आरोपित गिरफ्तार

नारायणपुर, 30 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के बेनूर थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम मालिंगनार पटेलपारा में गोवंश वध के मामले में पुलिस ने आज सोमवार को 12 आरोपियों मंगलूराम सलाम, सिद्दू सलाम, मनकूर वड्डे, सुखमन करंगा, रामसिंग सलाम, इतवारु राम करंगा, मंगिया सलाम, सोमारू सलाम, मंगेल सलाम, मनकू वड्डे, सोमजी सलाम और सन्नू शामिल हैं। सभी ग्राम मालिंगनार पटेलपारा के निवासी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मालिंगनार पटेलपारा में कुछ लोग गोवंश का वध करने की सूचना मिली, सूचना पर थाना प्रभारी बेनूर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचने पर घटनास्थल पर 12 लोग गोवंश काटते मिले। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से गोवंश का कच्चा मांस, पका हुआ मांस, चार पैर, पूंछ के टुकड़े, खाल तथा घटना में प्रयुक्त एक टंगिया और दो धारदार छुरियां जब्त की हैं। बरामद सामग्री के आधार पर थाना बेनूर में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 5 और 10 के तहतअपराध दर्ज किया गया।

मेरा युवा भारत संस्था ने नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर युवाओं को नशामुक्त भारत बनाने प्रेरित किया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर 30 जून। अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत मेरा युवा भारत, कांकेर द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर उमावि गढ़पिछवाड़ी, कांकेर, जिला कांकेर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के जिला युवा अधिकारी सुनील कुमार, स्वयं सेवक हर्ष डोंगरे, अभिषेक रवानी एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री भूपेन्द्र तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मंचस्थ अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार एवं समाज पर अत्यंत दुष्प्रभाव डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशा मुक्ति विषय पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए तथा आकर्षक चित्रों एवं प्रेरणादायक निबंधों के माध्यम से समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थित शिक्षकों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम की विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने सराहना की तथा ऐसे कार्यक्रमों को समाज हित में अत्यंत उपयोगी बताया। समस्त प्रतिभागियों को संस्था द्वारा पुरस्कृत किया गया।

निबंध में प्रथम स्थान पर निहारिका साहू, द्वितीय स्थान पर मेहूल पटेल, एवं तृतीय स्थान पर नेहा कुर्राम रहीं। चित्रकला में प्रथम स्थान पर पूर्णश्री दुबे, द्वितीय स्थान पर अदिति पटेल एवं तृतीय स्थान पर पुष्कल साहू रहें।। हिमाद्री जैन ने नशा के खिलाफअपना भाषण प्रस्तुत कर लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य जीवन गंगबेर ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्यगण दीदीगण व विद्यार्थियों ने अपना सहयोग प्रदान किया व उपस्थित रहे।

योगाचार्य मिथलेश इंडिया स्टार बेस्ट योगा टीचर अवार्ड से सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 30 जून। गरियाबंद जिले के छुरा नगर के प्रसिद्ध योगाचार्य, समाजसेवी एवं पतंजलि युवा भारत के राज्य सोशल मीडिया प्रभारी मिथलेश कुमार सिन्हा को योग, स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ÷इंडिया स्टार बेस्ट योगा टीचर अवार्ड 2026÷ से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हरियाणा के गुरुग्राम स्थित राष्ट्रीय स्तर की संस्था इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड जो संबद्ध है (कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय भारत सरकार)द्वारा प्रदान किया गया।

संस्था द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के अनुसार योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा को योग शिक्षा, निःशुल्क योग प्रशिक्षण, जनस्वास्थ्य जागरूकता तथा समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से योगाचार्य ने छुरा नगर सहित पूरे गरियाबंद जिले को गौरांवित किया है।

योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा विगत 12 वर्षों से योग के प्रचार-प्रसार एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा नियमित रूप से निःशुल्क योग कक्षाओं का संचालन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक, युवा, महिलाएं एवं वरिष्ठजन भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते हैं। योग के माध्यम से लोगों को निरोग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण,नशा मुक्ति रैली ,स्वच्छता जागरूकता एवं प्रकृति संरक्षण से जुड़े विभिन्न अभियानों में भी सक्रिय सहभागिता निभाई है। समाज में स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उनके प्रयासों की क्षेत्रभर में सराहना की जाती है।

इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड की प्रथम संपादक श्रीमती वीणा अग्रवाल ने योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि मिथलेश कुमार सिन्हा द्वारा विगत 12 वर्षों से योग, स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि योगाचार्य मिथलेश भविष्य में भी इसी समर्पण एवं निष्ठा के साथ समाजहित में कार्य करते रहेंगे तथा योग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे।

इस सम्मान की प्राप्ति पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, योग साधकों एवं नागरिकों ने योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इसे छुरा एवं गरियाबंद जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा ने इस सम्मान के लिए अपने माता - पिता, गुरुजनों, योग साधकों, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों को समर्पित करते हुए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज में योग, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

समाचार संक्षेप

जगन्नाथ स्टील एवं पॉवर लि. परिसर में 30 पौधे लगाए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 30 जून। भिलाई इस्पात संयंत्र के अंतर्गत दल्ली माईन्स स्थित भिलाई पैलेट प्लांट श्री जगन्नाथ स्टील एवं पावर लिमिटेड परिसर में मानसुन के पूर्व लगभग 30 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। सर्वप्रथम बीएसपी के माईन्स मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवार द्वारा पौधे का रोपण किया गया। ज्ञात हो कि इसके पूर्व में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर एसजेएसपीएल परिसर में लगभग 200 पौधों का वृक्षारोपण कार्य किया जा चुका है। इस दौरान प्लांट हेड राम शरण अग्रवाल के अनुरूप परिसर में छुटे हुए खाली जगहों पर वृक्षारोपण का कार्य समय समय पर आगे निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र राजहरा माईन्स के सीजीएम आर गहरवार, सीआईएसएफ डिप्टी कॉमाण्डेंट केके खाम, महाप्रबंधक सुकान्तों मण्डल, महाप्रबंधक एस मनोज कुमार, डीजीएम तुशार राठौर एसजेएसपीएल प्लांट हेड राम शरण अग्रवाल सहित बीएसपी अधिकारी एवं एसजेएसपीएल के अधिकारीगण उपस्थित थे।

एक नजर

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन की तिथि जारी

धमतरी, 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान आदि में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा सत्र 2026-27 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वी से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ वेबसाइट पर ऑनलाईन की जा रही है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि इसके अंतर्गत विभाग द्वारा ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित है। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 नवीनीकरण छात्रवृत्ति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए ऑनलाईन छात्रवृत्ति आवेदन 20 जून 2026 से 30 दिसंबर 2026 तक आमंत्रित किये गए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 नवीन छात्रवृत्ति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए ऑनलाईन छात्रवृत्ति आवेदन 01 अगस्त 2026 से 30 दिसंबर 2026 तक आमंत्रित किये गए हैं। इसी तरह वर्ष 2026-27 में विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन नवीनीकरण के लिए 20 जून 2026 एवं नवीन आवेदन के लिए 01 अगस्त 2026 से छात्रवृत्ति पोर्टल प्रारंभ किये जायेगे।

नकटी गांव में बेदखली भाजपा सरकार की धोखेबाजी : विनोद चंद्राकर

महासमुंद 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन

व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने रायपुर के नकटी गांव में आज हुए बेदखली की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे प्रशासनिक कार्रवाई नहीं अपितु भाजपा सरकार की क्रूरता और धोखेबाजी का जीवंत उदाहरण बताया है। चंद्राकर ने कहा कि सुबह 4 बजे जब पूरा प्रदेश सो रहा था, तब इस सरकार ने भारी पुलिस बल और दर्जनों जेसीबी के साथ 60 गरीब परिवारों के सिर से छत छीन ली। महिलाएं बिलखती रहीं, बच्चे भूख से तड़पते रहे और सरकार का बुलडोजर चलता रहा। यह दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की आत्मा को झकझोर देने वाला है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि इस कांड का सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि भाजपा के वरिष्ठ सांसद बृजमोहन अग्रवाल और स्थानीय विधायक अनुज शर्मा ने कुछ दिन पहले ही मीडिया के सामने बयान देकर ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि चिंता मत करो किसी का घर नहीं टूटेगा। भोले-भाले ग्रामीण उनके बातों पर भरोसा कर निश्चिंत हो गए। उसी भरोसे की आड़ में सरकार ने तड़के अंधेरे में हमला बोला। यह सिर्फ मकान तोड़ना नहीं है। यह भाजपा के चरित्र का प्रमाण है कि वह चुनाव के वक्त वादा करती है और सत्ता में आते ही गरीब की पीठ में छुरा घोंपती है। प्रशासन कह रहा है कि यह 9 हेक्टेयर सरकारी जमीन थी। सवाल यह है कि 22 साल से यहां लोग रह रहे थे तो सरकार कहां सो रही थी। इन्हीं परिवारों को बिजली कनेक्शन दिए, पानी की लाइन बिछाई, राशन कार्ड बनाए, पांच नए हितग्राहियों के नाम आवास भी स्वीकृत किए। जब वोट लेने थे तब ये लोग वैध थे। जब बुलडोजर चलाना था तब अवैध हो गए। यह दोहरा मापदंड नहीं तो क्या है।

बनने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा मेघा पुल

प्रथम गोड़ा पुल का स्लैब ढहने पर जिपं सदस्य नीलम चंद्राकर ने उठाए सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद, 30 जन। कुरूद मुख्यालय से 10 किलोमीटर की दूरी पर मेघा घाट के पास महानदी पर बनने वाले मेघा पुल पर कथित अणिमाताओं, भ्रष्टाचार, एवं गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं। कुरूद विधानसभा क्षेत्र के मगरलोड ब्लॉक में महानदी पर मेघा घाट निर्माणाधीन मेघा पुल का कार्य इन दिनों विवादों में घिर गया है। निर्माण कार्य के दौरान प्रथम गोड़ा पुल का स्लैब ढह जाने की घटना ने निर्माण एजेंसी एवं गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ महानदी निर्माणाधीन मेघा पुल का निरीक्षण कर देखा तो पुल का पूरा स्लैब नीचे गिर गया था, जिसे बाद में वहीं दबाकर रोलर चलाकर उक्त मामले (साक्ष्य)को छिपाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा करोड रुपए के लागत से बना रहे इस महत्वपूर्ण पुल में सामने आई कथित अनियमिताओं पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी जवाब देना चाहिए जनता के हितों की रक्षा और निर्माण कार्यों की निगरानी करना प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।

घटना की जानकारी मिलते ही बिना देर किऐ धमतरी जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ निर्माणाधीन मेघा पुल स्थल पहुंच मौके का स्थल निरीक्षण किया सही पाया, उन्होंने गिरे हुए स्लैब वाले स्थान का अवलोकन के दौरान ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर कई सवाल उठाते हुए राज्य की साय सरकार और निर्माण एजेंसी को आड़े हाथों लिया।

निरीक्षण के दौरान नीलम चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य ने आगे कहा कि निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरना बेहद गंभीर मामला है, करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले इस महत्वपूर्ण पुल में यदि निर्माण के दौरान ही ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं तो यह सीधे तौर पर गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की गाढ़ी कमाई से बनने वाली परियोजनाओं में लापरवाही और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने पत्रकारों के जवाब में कहा कि जैसे ही प्रथम गोड़ा पुल का स्लैब गिरने की सूचना मुझे मिली, वे तत्काल मौके पर पहुंचे और वास्तविक स्थिति का जायजा लिया सही पाया, उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए तथा दोषी ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर एवं कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

उनके साथ आए पूर्व जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते गुणवत्ता की जांच नहीं की गई तो भविष्य में यह पुल लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

नीलम चंद्राकर ने आगे कहा निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरना साधारण घटना नहीं है। यह निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था की पोल खोलता है। जनता के पैसे से बनने वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों पर एफआईआर एवं कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए

पूर्व सरपंच मेघा शंकर साहू, ने भी घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए शासन-प्रशासन से मामले की जांच कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की है। इस दौरान रामेश्वर साहू, जानसिंग यादव, विनीत बाफ्ना, शंकर साहू यश साहू, सहित कांग्रेसी जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

यदि समय रहते गुणवत्ता की जांच नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई भी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता पुल के निर्माण के बाद उसकी मजबूती और सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है गुणवत्ता की निगरानी भी जरूरी है।

कलेक्टर ने बाल संरक्षण संस्थानों का किया निरीक्षण

बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और पुनर्वास पर दिया विशेष जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 30 जून। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय बालगृह, बाल खुला आश्रय गृह, सेवा भारती मातृछाया बोरसी, सम्प्रेक्षण गृह पुलगांव एवं प्लेस ऑफसेफ्टी (बालक) का भ्रमण कर बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, भोजन एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी संस्थानों में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सबसे पहले कलेक्टर सिंह शासकीय बालगृह पहुंचे, जहां वर्तमान में 16 बच्चे निवासरत हैं। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खान-पान की जानकारी ली। बच्चों के शैक्षणिक स्तर का आकलन करने के लिए उन्होंने गणित के जोड़-घटाव से जुड़े प्रश्न भी पूछे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीक्षक को निर्देशित किया कि प्रत्येक बच्चे का उसकी आयु के अनुरूप विद्यालय में प्रवेश कराया जाए तथा अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। उन्होंने बालगृह में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नियमित शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

इसके बाद कलेक्टर सिंह ने बाल खुला आश्रय गृह का निरीक्षण किया, जहां सात बच्चे रह रहे हैं। उन्होंने सभी बच्चों की नियमित काउंसिलिंग कराने और उनके पुनर्वास की दिशा में प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सात में से पांच बच्चों को बिहार से एक ठेकेदार द्वारा फैक्ट्री में काम कराने के उद्देश्य से लाया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को संबंधित ठेकेदार एवं फैक्ट्री प्रबंधन के विरुद्ध बाल संरक्षण कानूनों के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर सिंह सेवा भारती मातृछाया बोरसी भी पहुंचे। यहां उन्होंने नवजात एवं छोटे बच्चों की देखभाल की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। संस्थान में छह केयर टेकर बच्चों की देखरेख कर रहे हैं। कलेक्टर ने यहां की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए बच्चों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात उन्होंने पुलगांव स्थित सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। यहां वर्तमान में 38 किशोर रह रहे हैं, सम्प्रेक्षण गृह में किसी अपराध में शामिल पाए गए 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को जेल भेजने के बजाय एक सुरक्षित और सुधारात्मक वातावरण में रखकर उनका पुनर्वास करना है। बच्चों को अपराधी बनने से रोकना, उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति में सुधार करना है। कलेक्टर ने बच्चों से संवाद कर भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास, शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर पुलगांव स्थित प्लेस ऑफ सेफ्टी (बालक) का भी जायजा लिया।

पाटन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति वन विभाग सतर्क, गिरे वृक्ष को सुरक्षित हाथों में सौंपा

दुर्ग, 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दुर्ग वनमंडल के अंतर्गत पाटन क्षेत्र में वन एवं पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक टीम पूरी तरह मुस्तैद है। ग्राम देमार-अरसनारा मुख्य मार्ग के समीप वन विभाग के अधिकारियों द्वारा क्षेत्र का सघन मुआयना कर प्राकृतिक परिस्थितियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनधिकृत गतिविधियों का कोई अस्तित्व नहीं है और संपूर्ण परिक्षेत्र में हरियाली पूरी तरह सुरक्षित है। विभागीय अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अरसनारा स्थित एक निजी स्वामित्व की भूमि पर वर्षा जल की सुचारू निकासी के लिए कार्य कराया जा रहा था। इस कार्य के दौरान कहुआ प्रजाति का एक वृक्ष (लंबाई लगभग 6-7 मीटर एवं गोलाई 100 से.मी.) प्राकृतिक रूप से जड़ से उखड़कर गिर गया। प्रशासनिक सजगता का परिचय देते हुए उक्त वृक्ष को तुरंत स्थानीय ग्रामवासी बुधारू साहू के सुपुर्दनामे में सुरक्षित सौंप दिया गया है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में वन संपदा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आवश्यक प्रक्रियात्मक एवं अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वनमंडलाधिकारी दुर्ग द्वारा हरियाली और वृक्षों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है।

पल्स पोलियो अभियान: 81% बच्चों को पिलाई गई दवा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 30 जून। राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन दुर्ग जिले में उल्लेखनीय सफलता मिली। निर्धारित 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 81 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाया गया। अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोटियाकला में जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ।

अभियान के दौरान दुर्ग, भिलाई, पाटन, धमधा और निकुम सहित जिलेभर के पोलियो बूथों पर जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर लोगों को जागरूक किया। जिला कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पूरे जिले में अभियान की सतत निगरानी की। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन पालकों में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के प्रति उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। वहीं जिला अस्पताल दुर्ग में आज जन्मे 9 नवजात शिशुओं को भी जन्म के साथ ही पोलियो की खुराक दी गई। सेक्टर-9 बीएसपी अस्पताल एवं निजी नर्सिंग होम में जन्मे नवजातों को भी पोलियो ड्रॉप पिलाई गई।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड विकासखंड निकुम, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे विकासखंड पाटन क्षेत्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अभिषेक श्रीवास्तव ने विकासखंड धमधा एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं ने भ्रमण कर मॉनिटरिंग की। विकासखंड क्षेत्रों में खण्ड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा डॉ. देवेन्द्र बेलचंदन विकासखंड निकुम, डॉ. बी आर कठौतिया पाटन एवं डॉ. रचना अग्रवाल ने धमधा, डॉ. पीयाम सिंह ने शहरी भिलाई, टाउनशिप क्षेत्र व डॉ. चुनारकर ने शहरी दुर्ग में भ्रमण कर मानिटरिंग की। स्वास्थ्य विभाग की ट्रांजिट और मोबाइल टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, टेम्पो स्टैंड, झुग्गी-बस्तियों, ईंट भट्ठों, फैक्ट्री क्षेत्रों तथा नदी किनारे की बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 29 और 30 जून को घर-घर अभियान चलाकर घरों का भ्रमण किया जाएगा, ताकि पहले दिन बूथों तक नहीं पहुंच पाए सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जा सके।

पीएम आवास योजना: 15 हितग्राहियों को लॉटरी से मिला सपनों का घर

- पारदर्शी प्रक्रिया से हुआ आवास आवंटन, महापौर ने सौंपे अलॉटमेंट पत्र
- किराये पर देने पर होगी सख्त कार्रवाई, पात्र हितग्राही ही रहेंगे आवास में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 30 जून। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित आवासों के आवंटन की प्रक्रिया लगातार जारी है। आकर्षक एवं किफायती दरों पर निर्मित इन आवासों को लेकर नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है तथा बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

निगम द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर के 1, सरस्वती नगर के 9 तथा मां कर्मा बोरसी के 5 आवासों के लिए प्राप्त कुल 15 आवेदनों का लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया। महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, पार्षद सरिता चंद्राकर तथा कार्यपालन अभियंता सुश्री विनिता वर्मा की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न कर हितग्राहियों को आवास आवंटित किए। महापौर के हाथों हितग्राहियों को आवंटन पत्र प्रदान किए गए। लॉटरी प्रक्रिया में प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हुई।

अल-नीनो की संभावित स्थिति को लेकर कृषि विश्वविद्यालय ने जारी की खरीफ फसलों के लिए विशेष एडवाइजरी

मध्यम अवधि में पकने वाली फसलों व डीएसआर पद्धति को प्राथमिकता दें किसान

- खेतों में मेड़बंदी कर वर्षा जल संरक्षण करने की दी गई सलाह
- डीएसआर तकनीक से 20 प्रतिशत पानी की होती है बचत व उत्पादन लागत भी होती है कम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 30 जून। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अल-नीनो के प्रभाव के कारण छत्तीसगढ़ में अनियमित वर्षा एवं सूखे जैसी परिस्थितियों की संभावना व्यक्त किए जाने के बाद किसानों के लिए विशेष कृषि सलाह जारी की गई है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने खरीफके लिए आकस्मिक कार्ययोजना तैयार कर राज्य के कृषि विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश भेजे हैं।

एडवाइजरी में किसानों को कम एवं मध्यम अवधि में पकने वाली फसल किस्मों को अपनाने, धान की रोपा पद्धति के बजाय सीधी बुवाई (डीएसआर) को प्राथमिकता देने तथा खेतों में मेड़बंदी कर वर्षा जल संरक्षण सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। विश्वविद्यालय के अनुसार डीएसआर तकनीक से लगभग 20 प्रतिशत पानी की बचत होती है तथा उत्पादन लागत भी कम होती है।

उच्च भूमि क्षेत्रों में धान के स्थान पर अरहर, मूंग, उड़द, सोयाबीन जैसी दलहनी एवं मूंगफली, तिल, रामतिल एवं तिलहनी फसलों की खेती करने की अनुशंसा की गई है। किसानों को कतार पद्धति से बुवाई, बीजोपचार, समय पर खरपतवार नियंत्रण तथा मल्चिंग तकनीक अपनाने की सलाह भी दी गई है।

एडवाइजरी के अनुसार यदि 15 जुलाई तक अंकुरण नहीं होता है तो पुनः बुवाई कर सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक बीज का उपयोग किया जाए। कम वर्षा की स्थिति में नत्रजन उर्वरकों का सीमित उपयोग करते हुए 2 प्रतिशत यूरिया घोल अथवा नैनो यूरिया के पर्णीय छिड़काव को अधिक लाभकारी बताया गया है।

कृषि वैज्ञानिकों ने ग्राम स्तर पर जल संरक्षण को बढ़ावा देने, डबरियों, तालाबों एवं कुओं में वर्षा जल संचयन करने तथा आवश्यकता पड़ने पर जीवन रक्षक सिंचाई के लिए संचित जल का उपयोग करने पर विशेष जोर दिया है। साथ ही मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि कार्यों की योजना बनाने, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाने तथा फसल विविधीकरण के माध्यम से जोखिम कम करने की सलाह दी गई है।

किसानों से अपील की गई है कि वे कृषि संबंधी किसी भी समस्या या तकनीकी मार्गदर्शन के लिए निकटस्थ कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि महाविद्यालय, अनुसंधान केंद्र अथवा कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क करें।

एक नजर

ग्रामीण ने पुलिस को सूचना समय पर देकर सजगता का परिचय देकर उदाहरण प्रस्तुत किया

बलौदाबाजार 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 5 दिन पूर्व एक को रोड किनारे से रामायण वर्मा निवासी कुसमी निवासी ने कबाड़ बिनते दौरान पिस्टल पाया था उसने डर से इसकी जानकारी अपने दूसरे मित्र टीकाराम वर्मा व मीडिया के चेतन पूरेना को दिया, जिसकी थाना प्रभारी पलारी को आज सूचना दिया गया, गंभीरता से लेते हुए स्वयं ने तत्काल उनके निवास कुसमी में जाकर तसदीक करने पर उक्त पिस्टल का air postol होना पाया.लेकिन Ti palari द्वारा रामायण वर्मा की सजगता की सराहना किया व समय पर पुलिस को स्वयं से आकर सूचना देने व उक्त एयर पिस्टल का किसी गलत अपराधिक दुरूपयोग नहीं करने के लिए तथा समझदारी का परिचय देने पर प्रशंसा की।

सुहेला पुलिस ने की ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

बलौदाबाजार 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. शर्मा के कुशल निर्देशन में सुहेला पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले और सड़कों को नुकसान पहुँचाने वाले ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 28/06/2026 को निरीक्षक प्रमोद सिंह थाना प्रभारी सुहेला के नेतृत्व में थाना सुहेला पुलिस द्वारा ओवरलोड गिट्टी परिवहन कर रहे दो भारी वाहनों (हाईवा) पर कार्रवाई करते हुए कुल 82,000 रुपये का समन शुल्क वसूला गया है। 1. कार्रवाई 01- (66,000 रुपये जुर्माना):- हाईवा वाहन क्रमांक CG 04 NQ 6701 के चालक त्रिपुरारी सिंह उम्रः 42 वर्ष, निवासीः रानी जरोद, सुहेला को वाहन में क्षमता से अत्यधिक गिट्टी लोड कर परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 113/194 (1) के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए 66,000 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया। 2. कार्रवाई 02- (16,000 रुपये जुर्माना):- हाईवा वाहन क्रमांक छ्त्त 22 HB 8116 के चालक दर्शन मधुकर उम्रः 44 वर्ष, निवासीः सुहेला द्वारा भी क्षमता से 3 टन अधिक गिट्टी लोड कर वाहन चलाते पाए जाने पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 113/194 (1) के तहत चालान काटकर चालक से 16,000 रुपये का समन शुल्क प्राप्त किया। थाना सुहेला पुलिस की अपीलः- पुलिस द्वारा आम नागरिकों और वाहन मालिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें और निर्धारित क्षमता के भीतर ही माल का परिवहन करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ यह सख्त दंडात्मक कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

किसानों को मिलेगी पर्याप्त मात्रा में यूरिया,राज्य शासन ने संशोधित किए उर्वरक वितरण के दिशा-निर्देश

बलौदाबाजार 30 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। खरीफ वर्ष 2026 के दौरान किसानों को यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने सहकारी क्षेत्र में यूरिया वितरण संबंधी दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार यूरिया की वर्तमान पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए पूर्व में जारी कुछ प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है। नए निर्देशों के अनुसार अब पात्र किसानों को खरीफ2025 में प्राप्त यूरिया की मात्रा के बराबर ही खरीफ2026 में भी यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को यह उर्वरक एकमुश्त अथवा संबंधित सहकारी समिति में उपलब्ध स्टॉक के आधार पर चरणबद्ध तरीके से वितरित किया जाएगा। यदि किसी समिति में तत्काल पर्याप्त यूरिया उपलब्ध नहीं है, तो शेष मात्रा बाद में स्टॉक उपलब्ध होते ही संबंधित किसान को प्रदान की जाएगी। शासन ने सभी जिला कलेक्टर, कृषि अधिकारियों तथा सहकारी संस्थाओं को संशोधित निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ताकि किसानों को समय पर यूरिया उपलब्ध हो सके और खरीफ फसलों के लिए उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति बनी रहे।

करेले की खेती ने बदली तकदीर

रायपुर, 30 जून। बदलते दौर में खेती अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि बेहतर आय का भरोसेमंद जरिया भी बन रही है। इसका उदाहरण महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा के ग्राम जुनवानी खुर्द के प्रगतिशील किसान ओमनारायण ध्रुव हैं, जिन्होंने उद्यानिकी फसलों की वैज्ञानिक खेती अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। करीब 2.32 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि के मालिक ओमनारायण ध्रुव वर्षभर विभिन्न उद्यानिकी फसलों की खेती करते हैं। इससे उन्हें नियमित आय मिलती है और पारंपरिक खेती की तुलना में कहीं अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2025-26 में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए एक हेक्टेयर में करेला की खेती की। इसके लिए उन्हें 24 हजार रुपये का अनुदान मिला, वहीं आधा हेक्टेयर क्षेत्र में सपोर्ट सिस्टम स्थापित करने के लिए 5 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की गई। ओमनारायण ने खेती में ड्रिप सिंचाई और आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर उत्पादन लागत पर नियंत्रण के साथ जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दी। आधुनिक तकनीकों का परिणाम यह रहा कि उन्हें प्रति एकड़ लगभग 12 टन करेला उत्पादन प्राप्त हुआ। औसतन 15 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से फसल बेचने के बाद सभी लागतों को घटाकर उन्हें करीब 96 हजार रुपये प्रति एकड़ का शुद्ध लाभ मिला।

विकसित भारत' के संकल्प के साथ स्वास्थ्य एवं फार्मा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है भारत : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर 30 जून। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद और संसद की रसायन एवं उर्वरक संबंधी स्थायी समिति के सदस्य श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज नई दिल्ली में आयोजित समिति की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। बैठक में चिकित्सा उपकरण उद्योग को सशक्त बनाने, उच्च गुणवत्ता वाले विनिर्माण को गति देने और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और अधिक सुदृढ़ करने जैसे जन-कल्याणकारी विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास पर जोर : सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि एक 'स्वस्थ भारत' का निर्माण केवल बेहतर उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए अनुसंधान , नवाचार, आधुनिक विनिर्माण क्षमता और एक सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की सुलभता के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। राज्य में फार्मा हब की संभावनाओं को तलाशने और स्थानीय स्तर पर सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों को चिकित्सा उपकरण विनिर्माण से जोड़ने पर उन्होंने समिति के समक्ष अपने सुझाव रखे।

आत्मनिर्भरता ही स्वास्थ्य सुरक्षा की नींवः श्री अग्रवाल ने आगे कहा, (एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स) के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता देश की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे न केवल दवाइयों की कीमतों में कमी आएगी, बल्कि हम अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले उतार-चढ़ाव से भी सुरक्षित रहेंगे। आज की बैठक में हमने इसी दिशा में ठोस नीतिगत बदलावों और नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया है। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, ÷प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज स्वास्थ्य एवं फार्मा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से अग्रसर है। हमारा स्पष्ट संकल्प है कि भारत न केवल अपनी स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर बने, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए एक विश्वसनीय स्वास्थ्य समाधान प्रदाता के रूप में उभरे। सांसद ने विश्वास व्यक्त किया कि समिति की ये अनुशंसाएं आगामी समय में देश के चिकित्सा और फार्मा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव लाएंगी, जिसका सीधा लाभ छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के नागरिकों को मिलेगा।

बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा,संस्कार व साहित्य के माध्यम से संभव : केदार कश्यप

- मोर अंगना के शोर साझा बाल काव्य संग्रह का हुआ विमोचन
- साहित्य और तकनीक के अभिनव समन्वय (क्यूआर कोड) की हुई सराहना

रायपुर, 30 जून। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज राजधानी रायपुर के वृंदावन भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर का विमोचन किया और सभी संबंधित रचनाकारों व शिक्षकों को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा, संस्कार और साहित्य के माध्यम से ही संभव है। बाल साहित्य हमारी नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने का काम करता है। मंत्री श्री कश्यप ने पुस्तक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोर अंगना के शोर केवल कविताओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह बच्चों की कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों और भाषा कौशल को विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह अभिनव प्रयास नई शिक्षा नीति और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान उद्देश्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

इस बाल काव्य संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसमें शामिल तकनीकी नवाचार है। पुस्तक में प्रत्येक कविता के साथ एक क्यूआर (त्त्क्र) कोड जोड़ा गया है। इस पहल की सराहना करते हुए वन मंत्री ने कहा कि इससे बच्चे केवल कविताओं को पढ़ेंगे ही नहीं, बल्कि उन्हें सुनकर भी सीख सकेंगे। यह साहित्य और तकनीक का एक बेहतरीन समन्वय है जो शिक्षा को अधिक रोचक, सरल और समावेशी बनाएगा। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि यह अनूठी पहल दिव्यांग बच्चों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जिससे वे भी समान रूप से सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे।

मंत्री श्री कश्यप ने पुस्तक के संपादक श्री वीरेंद्र कुमार साहू, सभी लेखकों, शिक्षकों एवं सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा, साहित्य और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तब राष्ट्र निर्माण की दिशा और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि श्मोर अंगना के शोरश् छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश में बाल साहित्य के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण बनेगी। इस विमोचन एवं सम्मान समारोह में स्थानीय विधायक एवं पद्मश्री अनुज शर्मा, श्री अमित चिमलानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में साहित्यकार, रचनाकार और शिक्षक गण उपस्थित रहे।

समितियों में ध्वजारोहण कर किया सहकारिता सप्ताह का शुभारम्भ

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 30 जून। सहकारिता मंत्रालय गठन के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सहकारी सप्ताह के दिनांक 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक सहकारिता सप्ताह मनाया जा रहा है। जिले के सभी सहकारी समितियो एवं सहकारी बैंक शाखाओ में सहकारी ध्वजारोहण कर सोमवार को सहकारिता सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। सहकारी सप्ताह में जिला स्तर पर अनेक सहकारी गतिविधियॉ तथा सहकारी चिंतन एवं सहकारी मेला का आयोजन किया जाएगा। जिले के 168 पैक्स, 15 बैंक शाखा एवं जिला सहकारी संघ, लघु वनोपज सहकारी समिति, दुग्ध एवं मत्स्य, विपणन सहकारी समिति, कृशक उत्पादक (एफ्पीओ) सहकारी समितियों में हर्षोल्लास के साथ ध्वाजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों, कृषक सदस्यों, जनप्रतिनिधि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों को संस्था की व्यवसाय, खाद-बीज, संस्था उपविधि का पाठ्न किया गया।आगामी दिवसों में समितियों मे होने वाले गतिविधियों, कृषक संगोष्ठी, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, केसीसी कार्ड, रुपे कार्ड वितरण, विद्यालय एवं महाविद्यालय मे निबंध, क्विज प्रतियोगिता एवं सहकार संकल्प दौड़ आयोजित की जाएगी।

वीबीजीरामजी योजना के शुभारंभ के बीच 12 हजार मनरेगा कर्मियों का आंदोलन, 2 जुलाई से चरणबद्ध प्रदर्शन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 30 जून। 1 जुलाई से पूरे देश में वीबीजीरामजीयोजना के शुभारंभ को लेकर राज्य एवं जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के लगभग 12 हजार मनरेगा एवं वीबीजीरामजी कर्मचारी अपनी वर्षों पुरानी मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर उतरेंगे। कर्मचारियों ने 2 जुलाई से चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान करते हुए सरकार से नियमितीकरण सहित तीन प्रमुख मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि पिछले करीब 20 वर्षों से उन्होंने ग्रामीण विकास और रोजगार गारंटी योजनाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन आज भी उन्हें नियमितीकरण, सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल सकी हैं। उनका आरोप है कि सरकार नई योजनाओं का शुभारंभ तो कर रही है, लेकिन उन्हीं योजनाओं को जमीन पर सफल बनाने वाले कर्मचारियों की लगातार अनदेखी की जा रही है। संघ के अनुसार उनकी तीन प्रमुख मांगों में सभी मनरेगा एवं वीबीजीरामजी कर्मियों का नियमितीकरण, नियमितीकरण होने तक मानव संसाधन नीति लागू कर सेवा एवं सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना तथा ग्राम रोजगार सहायकों को मानदेय के स्थान पर संविदा कर्मचारी का दर्जा देकर ग्रेड-पे निर्धारित करना शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि दो दशक से ग्रामीण रोजगार की गारंटी देने वाले कर्मचारी स्वयं अपनी नौकरी की सुरक्षा को लेकर असमंजस में हैं। उनका दावा है कि मनरेगा को राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार मिलने के बावजूद योजना को सफल बनाने वाले कर्मचारियों का भविष्य आज भी अधर में है। मानव संसाधन नीति के लिए गठित समिति के 21 महीने बीत जाने के बाद भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, जबकि ग्राम रोजगार सहायकों की ग्रेड-पे संबंधी मांग भी वर्षों से लंबित है। जबकि मनरेगा और वीबीजीरामजी जैसी योजनाओं का प्रभावी संचालन उनके बिना संभव नहीं है। उनका मानना है कि सम्मानजनक वेतन, सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा कर्मचारियों का अधिकार है और इन्हीं के आधार पर ग्रामीण विकास योजनाओं का बेहतर एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकता है। 2 जुलाई से शुरू होगा चरणबद्ध आंदोलन कर्मचारियों ने बताया कि 2 जुलाई को जनपद स्तर पर धरना, रैली और ज्ञापन, 3 जुलाई को जिला स्तर पर प्रदर्शन तथा 4 जुलाई को प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की है कि वर्षों से लंबित मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए, ताकि कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने के लिए विवश न होना पड़े।

सेन समाज ने संत कबीर दास की जयंती पर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

- अति पिछड़ा वर्ग उत्थान समिति के पदाधिकारी भी शामिल हुए

रायपुर 30 जून। सर्वसेन समाज जिला रायपुर एवं अति पिछड़ा वर्ग उत्थान समिति के संयुक्त तत्वाधान में सिविल लाइन रायपुर में स्थित संत कबीर चौक के पास संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती मनाई गई , सबसे पहले उनके चलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर ,श्रीफल एवं पुष्पमाला चढ़कर ,उनके जयकारे के साथ सभी समाज जनों ने उनके बताए गए सत मार्ग पर चलने का संकल्प लिया उक्त कार्यक्रम में सेन समाज रायपुर जिला के अध्यक्ष डॉ मनोज ठाकुर, संरक्षक श्री राजू श्रीवास जिला उपाध्यक्ष श्री रमेश श्रीवास, कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष श्री सुशील कौशिक, दुर्ग जिला के कोषाध्यक्ष श्री अनिल सेन, मीडिया प्रचार प्रसार प्रभारी श्री ईश्वर सेन ,मानिकपुरी समाज से श्री संजय दास मानिकपुरी, श्रीमती श्यामा सेन, श्रीमती अंजलि राजा सेन, श्रीमती लता श्रीवास, वरिष्ठ श्री राधे श्याम श्रीवास, श्री जीवनलाल सरेथे, सुशील शब्बीर सरेठे, शिवसेन, जितेंद्र ठाकुर, दिलीप सेन, ईश्वर प्रसाद सेन, अनिल ठाकुर, बंटी ठाकुर नरेंद्र सेन, नारायण सेन, अति पिछड़ा वर्ग के प्रमुख श्री संजय सेन,आदि सभी ने उनके जयकारे के साथ उनके साथ मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए जयंती धूमधाम से मनाई है।

52 पाव अवैध शराब जब्त

रायपुर, 30 जून। धमतरी जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने ग्राम पीपरछेड़ी (ग), थाना अर्जुनी क्षेत्र में 52 पाव अवैध देशी प्लेन शराब जब्त की है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। न्यायालय में पेशी के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गठित टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर ग्राम पीपरछेड़ी निवासी सुमित कुमार भारती के घर दबिश दी। तलाशी के दौरान वहां से 52 पाव अवैध देशी मदिरा प्लेन बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई। विभाग के अनुसार जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। आबकारी विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन या बिक्री संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल विभाग को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके।

सिमगा में सर्व आदिवासी समाज ने श्रद्धा एवं गौरव के साथ मनाया वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 30 जून। नगर में सर्व आदिवासी समाज द्वारा महान वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी दुर्गावती के चित्र पर पूजा-अर्चना एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित समाजजनों ने वीरांगना के अदम्य साहस, त्याग, स्वाभिमान तथा मातृभूमि के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर आदिवासी समाज के कलाकारों द्वारा पारंपरिक सुवा नृत्य एवं कर्मा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित जनसमुदाय को आदिवासी संस्कृति की समृद्ध विरासत से रूबरू कराया। समाज के सदस्यों ने पारंपरिक वेशभूषा में अपनी सांस्कृतिक पहचान का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम स्थल आदिवासी समुदाय के आराध्य देव जय बुढ़ा देव के जयघोष एवं सांस्कृतिक झलकियों से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, आत्मसम्मान की रक्षा, मातृभूमि के प्रति समर्पण और अदम्य साहस का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी समाज एवं राष्ट्र को प्रेरणा प्रदान करते हैं। उपस्थित सभी लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, युवा, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पारंपरिक लोकनृत्यों ने आदिवासी समाज की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और वीर विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। और साथी साथ समाज के कुछ मांग थी जो नगर पालिका अध्यक्ष के सुपुत्र करन भाटिया ने आश्वासन दिया कि आप के जो भी मांगे हैं आप के समाज की वो मै पूरा करूंगा बोला गया,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित थे नगर पालिका अध्यक्ष, जिसमें उनके सुपुत्र, करन भाटिया,आया हुआ था और पार्षद, प्रियंका अनुप तिवारी, शंकर लाल मराई, इस अवसर पर आदिवासी समाज के अध्यक्ष मनीराम धुव्र, उपाध्यक्ष केशोराम धुव्र, प्रदेश सह सचिव कृष्णा कुंजाम, सचिव खेमराज सोरी, कोषाध्यक्ष पवन कुमार धुव्र, महामंत्री विषम्भर धुव्र, दीवान छेदूराम छैदया, रामकुमार धुव्र, परस धुव्र, डोमार धुव्र, युवराज धुव्र सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। और सभी को,किसान, शिक्षक, पद अधिकारी को, हॉस्टल की वार्डन मेम को, सम्मान करते उनको, सामाजिक एक प्रमाण पत्र दिया गया साथी गमछा भेट कर पिला चावल से तिलक लगाते हुए उनका सम्मान किया गया

कार्यक्रम का समापन वीरांगना रानी दुर्गावती के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में एकता, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का संकल्प लेकर किया गया।

डोंगरगढ़ 30 जून। विकास खंड के विभिन्न ग्रामों में निर्मित यात्री प्रतीक्षालय के तर्ज पर ग्राम पंचायत मोहारा सहित विभिन्न ग्राम पंचायतो में निर्मित अथवा निर्माणाधीन बाजार शेड के निर्माण में संबंधित विभाग व भिलाई निवासी ठेकेदार द्वारा भारी पैमाने में अनीयमितता बरती गई है। विधायक निधि से स्वीकृत 10 लाख की लागत में से संबंधितों द्वारा आपस में मिलकर लाखों रुपए का बंदरबाट करने की कार्य योजना पर कार्य किया जा रहा है। ग्राम शिवपुरी के बाद मोहारा के जिम्मेदार ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने की तैयारी की जा रही है ।

एक नजर

कई जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट

रायपुर, 30 जून। छत्तीसगढ़ में मानसून धीरे-धीरे सक्रिय होता नजर आ रहा है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश का दौर शुरू हो चुका है, जबकि कुछ इलाकों में अब भी उमस और गर्मी का असर बना हुआ है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी की संभावना जताते हुए कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, राजनांदगांव, बालोद, धमतरी, रायगढ़ और जशपुर जिलों में भारी बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कोरबा, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, बेमेतरा, रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, मुंगेली, महासमुंद और गरियाबंद जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सक्ती, कोंटा, नानगुर, भोपालपटनम, तोकापाल, तिल्दा और मुंगेली में लगभग 3 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं नारायणपुर, जगदलपुर, जगरगुंडा और मरींबंगला देवरी क्षेत्र में 2 सेंटीमीटर तक बारिश हुई। इसके अलावा हरदीबाजार, मनोरा, चंद्रपुर, नवागढ़, पेंड्रा, छुरिया, खरसिया, खैरागढ़, भोथिया और गंगालूर में भी हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई।

अमेज़न इंडिया ने प्राइम डे डील्स की घोषणा की

रायपुर, 30 जून। अमेज़न ने आज विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए उपलब्ध सबसे प्रतीक्षित प्राइम डे 2026 डील्स और लॉन्चेस की घोषणा की। 4 जुलाई को रात 12:00 बजे से शुरू होकर 6 जुलाई को रात 11:59 बजे तक चलने वाला प्राइम डे, प्राइम मेंबर्स को 72 घंटे के रोमांचक डील्स, नए लॉन्चेस और ब्लॉकबस्टर मनोरंजन की पेशकश करेगा। 10 साल की इस उपलब्धि के हिस्से के रूप में, अमेज़न नए मेंबर्स को केवल 999 रुपये में सालाना प्राइम मेंबरशिप पर फ्लैट 500 रुपये की छूट दे रहा है, इसके अलावा ग्राहक 299 रुपये/वर्ष में शॉपिंग एडिशन और 599 रुपये/वर्ष में प्राइम लाइट से भी जुड़ सकते हैं।

सर्जिकल रोबोटिक्स में भारत का डंका

रायपुर, 30 जून। भारत के मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेडटेक) क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल को सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी (एसआरटी) इंडस्ट्री अवार्ड्स 2026 में ÷आउटस्टैंडिंग कंपनी÷ सम्मान से नवाज़ा गया है। यह पुरस्कार पाने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि कंपनी का चयन सर्जिकल रोबोटिक्स और मेडिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र की दुनिया की प्रतिष्ठित कंपनियों–इंट्यूइटिव, मेडट्रॉनिक, जॉनसन एंड जॉनसन मेडटेक, डिस्टलमोशन, मेरिल, माइक्रोपोर्ट, थिंक सर्जिकल, फ्यूटेक और प्रिसिजन आईओ ग्रुप–के बीच से किया गया। इस सम्मान ने वैश्विक सर्जिकल रोबोटिक्स उद्योग में एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल की मजबूत और अग्रणी उपस्थिति को और सुदृढ़ किया है।

निधन

प्रमोद शर्मा

रायपुर, 30 जून। प्रमोद शर्मा रिटायर्ड तहसीलदार (राखी वाले) पिता स्व शेषनारायण शर्मा (64) का आज आकस्मिक निधन हो गया। अंतिम यात्रा रोहणीपुरम गोल चौक स्थित निवास गैस गोडाउन गली से महादेवघाट के लिए निकाली गई। वे सुनील शर्मा के छोटे भाई एवं कुमारी अदिति एवं प्रियल शर्मा के पिता थे।

यशवंत कुमार शुक्ला

रायपुर, 30 जून। सुंदर नगर कॉलोनी निवासी यशवंत कुमार शुक्ला का आज निधन हो गया वे सेंट्रल बैंक आफ इंडिया से डिप्टी जनरल मैनेजर के पद से सेवानिवृत हुए थे नलिन शुक्ला एवं नम्रता तिवारी के पिता थे उनकी अंतिम यात्रा सुंदर नगर कॉलोनी निवास स्थान 280 केपीएस स्कूल के बाजू गली से 30 जून को दोपहर 12:00 बजे महादेव घाट के लिए निकाली गई।

सड़क हादसों का सिलसिला जारी, रायपुर, कवर्धा, जांजगीर-चांपा और कोंडागांव में चार बड़े हादसे

रायपुर, 30 जून। छत्तीसगढ़ में मंगलवार सुबह अलग-अलग जिलों में हुए सड़क हादसों ने एक बार फिर तेज रफ्तार के खतरे को उजागर कर दिया। रायपुर, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और कोंडागांव में हुई चार अलग-अलग दुर्घटनाओं में एक युवक की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। कुछ स्थानों पर यातायात भी प्रभावित रहा।

राजधानी रायपुर के सरोना फ्लाईओवर पर दुर्ग से रायपुर आ रहा ट्रैक्टरों से लदा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रेलर के सड़क के बीचों-बीच पलटने से दुर्ग-रायपुर मार्ग पर लंबा जाम लग गया और आवागमन बाधित हो गया।हादसे में ट्रेलर के नीचे कई ट्रैक्टर दब गए, जिससे उन्हें नुकसान पहुंचा। हालांकि इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेलर हटाने का काम शुरू किया। ट्रेलर चालक मौके से फरार बताया जा रहा है और उसकी तलाश की जा रही है। यातायात को सुचारू रखने के लिए लोगों को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

कोंडागांव में बस और ट्रैक्टर की जोरदार भिड़ंत

कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर सुकुरपाल के पास एक यात्री बस और ट्रैक्टर की जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर दो हिस्सों में टूट गया। हालांकि ट्रैक्टर चालक सुरक्षित बच गया और बस में सवार सभी यात्रियों को भी कोई गंभीर चोट नहीं आई।घटना के बाद कुछ समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवागमन बहाल कराया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है।

कबीरधाम में हाफ नदी में गिरी इनोवा

कबीरधाम जिले के पांडातराई मोड़ स्थित हाफ नदी के पास एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। कार जबलपुर से कोरबा जा रही थी। हादसे में कार सवार पति-पत्नी घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया।बताया जा रहा है कि तेज मोड़, बारिश और कम दृश्यता के कारण चालक सड़क की दिशा का सही अनुमान नहीं लगा सका। स्थानीय लोगों ने इस स्थान को दुर्घटना संभावित क्षेत्र बताते हुए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और निर्माणाधीन पुल का कार्य जल्द पूरा करने की मांग की है।

जांजगीर-चांपा में युवक की मौत

चांपा रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर के बाद एक युवक सड़क पर गिर गया। इसी दौरान पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतक की पहचान विशाल सूर्यवंशी, निवासी कोसमंदा गांव के रूप में हुई है। वहीं दूसरे बाइक चालक रोशन चंद्रा, निवासी ओड़ेकेरा गांव, घायल हो गए हैं और उनका उपचार अस्पताल में जारी है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

सर्जरी के बाद आईएएस अवनीश शरण ने बनाई बॉडी

रायपुर, 30 जून। आईएएस अवनीश शरण ने सर्जरी के बाद अपनी सेहत का ख्याल रखते हुए 45 साल की उम्र में फिटनेस की नई शुरुआत की है। उनका कहना है कि फिटनेस की असली परीक्षा जिम में नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के फैसलों में होती है। अधिकांश लोग अपने बढ़ते वजन, कोलेस्ट्रॉल और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को उम्र का स्वाभाविक हिस्सा मान लेते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो इस सोच को चुनौती देते हैं। वे साबित कर देते हैं कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो, अनुशासन जीवनशैली बन जाए और धैर्य साथ हो तो उम्र केवल एक संख्या रह जाती है। जिन्होंने 39 वर्ष की उम्र में फिटनेस की शुरुआत की। रास्ते में कई बाधाओं का सामना किया। सर्जरी के कारण महीनों तक अभ्यास से दूर रहे, लेकिन हार नहीं मानी। आखिरकार 45 वर्ष की उम्र में उन्होंने न केवल अपना शरीर बदला, बल्कि अपनी पूरी सेहत को नई पहचान दे दी।

देवकीनंदन की कथा आठ जुलाई से

रायपुर, 30 जून। अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडेरेशन के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल प्रदेश महामंत्री एवं प्रवक्ता राजकुमार राठी एवं प्रदेश महामंत्री शिवरतन गुप्ता ने बताया की राजधानी रायपुर में 8 जुलाई से 14 जुलाई तक बुढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में कथावाचक देवकीनंदन जी ठाकुर के श्रीमुख से श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया है अग्रवाल ने बताया कि कथा का प्रारंभ 8 जुलाई को प्रातः 9:00 बजे विशाल कलश यात्रा से होगा जो की पुरानी बस्ती स्थित महामाया मंदिर से प्रारंभ होकर सदानी चौक, बुढ़ापारा होते हुए इनडोर स्टेडियम पहुंचेगी, कलश यात्रा में राउत नाचा, बैंड पार्टी व ढोल नगाड़े एवं राधे कृष्ण की सजीव झांकी के साथ 5000 महिलाएं सिर पर कलश धारण कर पैदल चलेगी, कलश यात्रा का विभिन्न समाज द्वारा स्वागत किया जाएगा।

अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह एवं मंत्री सांसद व विधायक सहित पूरे प्रदेश के श्रद्धालु शामिल होंगे, राठी ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने आए श्रद्धालुओं को तिलक करके ही स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा।

नकटी गांव के 60 परिवारों को मिला नया ठिकाना

रायपुर, 30 जून। धरसींवा विकासखंड के ग्राम सम्मानपुर (नकटी) में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के बाद जिला प्रशासन द्वारा विस्थापित परिवारों का पुनर्वास किया जा रहा है। पात्र 60 परिवारों का नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित आवासों में सफलतापूर्वक पुनर्वास कर दिया गया है। नया रायपुर सेक्टर-30 में आवास, बिजली, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध, आज रात्रि भोजन तथा कल के नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन की भी व्यवस्था की गई। अधिकारियों ने बताया कि शेष मामलों में केवल बाउंड्रीवाल का निर्माण पाया गया था तथा उन परिवारों का गांव में अपना मकान भी था। निर्धारित मानकों के अनुसार ऐसे मामलों में पुनर्वास के लिए आवास उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। जरूरतमंदों के साथ अन्याय नहीं होगा, विस्थापितों के व्यवस्थापन की पूरी चिंता करेगी सरकार।

साहू समाज ने धर्मांतरण रोकने तैयार किया मास्टर प्लान

रायपुर, 30 जून। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में साहू समाज की एक बड़ी और अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के भीतर धर्मांतरण की गतिविधियों को रोकने के लिए एक विशेष रणनीति और प्लान तैयार किया गया है। बैठक में समाज के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया और जमीनी स्तर पर काम करने का फैसला किया। साहू समाज ने अपने लोगों को धर्मांतरण से बचाने के लिए एक ठोस योजना तैयार की है। इसके तहत समाज के पदाधिकारी अब सीधे आम लोगों और परिवारों के बीच जाकर उन्हें जागरूक करेंगे। इस बड़ी बैठक में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर समाज के कई बड़े चेहरे एक साथ नजर आए। बैठक में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव विशेष रूप से शामिल हुए। समाज के इस मंच पर दलीय सीमाएं भी टूटती नजर आईं। भाजपा नेता व डिप्टी सीएम अरुण साव के अलावा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू और पूर्व पीसीसी चीफधनेंद्र साहू भी इस बैठक में मौजूद रहे।

अनाज मंडी पहुँचा कैट का व्यापारी संवाद अभियान

रायपुर, 30 जून। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर। व्यापारियों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर समझने, बाजारों की आवश्यकताओं को जानने तथा उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित कैट व्यापारी संवाद अभियान के अंतर्गत आज प्रदेश की सबसे बड़ी अनाज मंडी डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर बाजार की समस्याओं एवं विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

जेम पोर्टल से सरकार के खजाने पर डाका डाला जा रहा : कांग्रेस

रायपुर, 30 जून। जेम पोर्टल से सरकार के खजाने पर डाका डाला जा रहा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकारी खरीदी का पोर्टल जेम भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। जेम पोर्टल से की गई सभी खरीदी की जांच होनी चाहिए। सरकार में बैठे हुए प्रभावशाली लोग जेम पोर्टल के माध्यम में अनाप शनाप भाव में सरकारी सप्लाई का ठेका अपने चहेतों को दिला कर कमीशनखोरी कर रहे है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय सीएसआईडीसी के माध्यम से हो रही खरीदी को भाजपा सरकार बनने के बाद इसलिए बंद किया गया था ताकि भ्रष्टाचार किया जा सके और राज्य के बाहर के सप्लायरों से कमीशन ले कर खरीदी की जाय।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जेम पोर्टल के माध्यम से अब तक जितनी खरीदी हुई है इस पूरी खरीदी की जांच की जानी चाहिये। जेम पोर्टल की खरीदी में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। स्थानीय व्यापारियों की अनदेखी हुई है, पोर्टल से हुई अधिकांश खरीदी राज्य के बाहर के सप्लायरों से हुई है। इसी जेम पोर्टल से 300 का जग 32000 में खरीदा गया है। 1 लाख की टी.वी 10 लाख में, 60 हजार की रोटी मेकर मशीन 8 लाख में खरीदी गयी। 1539 का ट्रैक सूट 2499 में खरीदा गया। यह है जेम पोर्टल का कमाल सरकार में बैठे हुये लोग जेम पोर्टल के माध्यम से राज्य के खजाने पर डाका डाल रहे है। आठ लाख की रोटी खरीदी मामले में लीपापोती करने में पूरी सरकार जुटी है जबकि इस मामले में अभी तक एफआईआर हो जाना था। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जेम पोर्टल के माध्यम से की गई अभी तक की सभी खरीददारी का सोशल ऑडिट करवाया जाय तो पूरा सिस्टम नंगा हो जाएगा। सरकार में सह है तो सभी खरीदारी की गई सामग्री और उसके भाव सार्वजनिक कर दे। अभी तक जितनी भी खरीदी की गई साफ हो जाएगा कि सारा सामान बाजार भाव से दस से सौ गुना से भी अधिक भाव पर खरीदी हुई है।

अंधविश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक सोच अपनाना जरूरी : मिश्र

रायपुर, 30 जून। वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ एवं अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अभाव के कारण आज भी देश में हजारों निर्दोष लोग शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक प्रताड़ना का शिकार हो रहे हैं। विशेष रूप से महिलाओं को डायन/टोनही होने के संदेह में अमानवीय यातनाएं दी जाती हैं तथा अनेक मामलों में उनकी हत्या तक कर दी जाती है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और सभ्य समाज के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ÷मन की बात÷ में अंधविश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक सोच अपनाने का संदेश देकर एक महत्वपूर्ण सामाजिक विषय को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंधविश्वास केवल एक गलत धारणा नहीं, बल्कि ऐसा भय है जो व्यक्ति को तर्क, विवेक और सत्य से दूर कर देता है। डॉ. मिश्र ने बताया कि अंधविश्वास निर्मूलन समिति पिछले तीन दशकों से अंधविश्वास, टोनही प्रथा तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जनजागरण अभियान चला रही है।

सेफ्टी शू का ठेका नेता के रिश्तेदार को

रायपुर, 30 जून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जब रमन सरकार थी तब उस समय चरण पादुका घोटाला करते थे, इसीलिए हमारी सरकार ने जूता की जगह सीधे राशि संग्राहकों के खाते में डालना शुरू किया। साय सरकार ने फिर से संग्राहकों के जूता खरीदी में भ्रष्टाचार करने के लिए नगदी की जगह जूता देना शुरू किया। इस बार संग्राहकों को जो जूता दे रहे उसमें सेफ्टी-शू देने का टेंडर निकाले है। यह मध्यप्रदेश के एक वरिष्ठ नेता के रिश्तेदार को फायदा पहुंचाने सेफ्टी-शू का क्लास डाला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नकटी में गरीबों के घर उजाड़े जाने का कांग्रेस विरोध करती है। 40 सालों से लोग घर बनाकर रह रहे है, सरकार दूसरे जगह विधायकों की कालोनी बना सकती है। नया रायपुर में आप 1 रू. फीट में सैकड़ों एकड़ जमीन एलॉट कर सकते है। वहां पर विधायक कालोनी बना लेते। सरकार गरीब विरोधी है। यह अत्याचार है। हम गरीबों को तत्काल व्यवस्थापित करने की मांग करते है। जिनका मकान तोड़े है, उनको मकान बना कर दे।

श्वास नली में फंसी जामुन की गुठली, डाक्टरों ने बचाई जान

रायपुर, 30 जून। जामुन खाते समय उसकी गुठली गलती से सांस की नली में चली जाने के कारण 26 वर्षीय एक युवक की जान पर बन आई। गुठली उसके बाएं मुख्य ब्रोंकस (लेफ्ट मेन ब्रोंकस) में फंस गई, जिससे बाएं फेफड़े तक हवा का प्रवाह पूरी तरह बंद हो गया। गंभीर स्थिति में उसे रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने इमरजेंसी फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी कर गुठली को सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचा ली। फल खाते समय युवक को अचानक तेज खांसी, सांस लेने में गंभीर तकलीफ और लगातार श्वसन संबंधी परेशानी होने लगी। उसे तत्काल अस्पताल के इमरजेंसी विभाग लाया गया।

विस्तृत जांच में पता चला कि जामुन की गुठली बाएं मुख्य ब्रोंकस में मजबूती से फंस गई थी, जिससे बाएं फेफड़े तक जाने वाला वायु मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पल्मोनोलॉजी विभाग की टीम ने बिना देर किए जनरल एनेस्थीसिया के तहत इमरजेंसी फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी करने का निर्णय लिया। ब्रोंकोस्कोप की सहायता से डॉक्टरों ने बिना किसी प्रकार की क्षति पहुंचाए सावधानीपूर्वक गुठली को बाहर निकाला, जिससे फेफड़े में हवा का सामान्य प्रवाह फिर से शुरू हो गया। प्रक्रिया के तुरंत बाद मरीज की सांस लेने में राहत मिली। उपचार के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हुआ और स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स में चिकित्सकों का सम्मान

रायपुर, 30 जून। 1 जुलाई को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे से पहले रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स ने अपने डॉक्टरों को क्लिनिकल उत्कृष्टता, चिकित्सा नैतिकता और मरीजों के प्रति समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया।

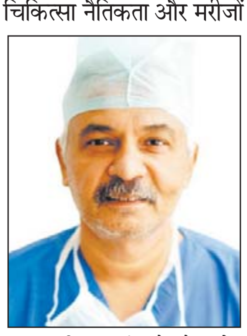

अस्पताल ने कहा कि बेहतर उपचार परिणाम सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों को अत्याधुनिक तकनीक, विश्वस्तरीय सुविधाएं और सहयोगात्मक क्लिनिकल वातावरण उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, प्रिसिजन मेडिसिन और डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग के बीच भी अस्पताल का मानना है कि हर महत्वपूर्ण चिकित्सीय निर्णय के केंद्र में डॉक्टर ही रहेंगे। तकनीक इलाज के तरीकों को बेहतर बना सकती है, लेकिन डॉक्टर का क्लिनिकल अनुभव, सही निर्णय क्षमता, संवेदनशीलता और मरीज के साथ विश्वास का रिश्ता ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की असली पहचान है। वर्ष 2026 के राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे की थीम ÷मास्क के पीछेः जो दूसरों का इलाज करते हैं, उनकी देखभाल कौन करता है?÷ उन डॉक्टरों के मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करती है, जो अपना जीवन दूसरों की सेवा में समर्पित करते हैं। यह थीम चिकित्सा पेशे से जुड़े लंबे कार्य घंटे, व्यक्तिगत त्याग और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में डॉक्टरों द्वारा दिखाई जाने वाली असाधारण दृढ़ता को भी सम्मान देती है। रामकृष्ण ष्ट्रक्र्रश्व हॉस्पिटल्स का मानना है कि डॉक्टरों को सशक्त बनाने का अर्थ केवल उन्हें अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि ऐसा कार्य वातावरण तैयार करना भी है, जो उनके स्वास्थ्य, निरंतर सीखने, बहु-विषयक सहयोग और पेशेवर विकास को प्राथमिकता दे।

कांग्रेस अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाए और संघ के इतिहास का अध्ययन करे : भाजपा

रायपुर, 30 जून। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस व कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलीराम हेडगेवार के विषय में अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए। पाण्डेय ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि आजकल कांग्रेसियों का अध्ययन, पठन और पाठन पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। इतिहास की सही समझ न होने के कारण वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने स्वतंत्रता संग्राम में डॉ. हेडगेवार और संघ के योगदान का सिलसिलेवार ब्यौरा देते हुए कांग्रेस को इतिहास का पाठ पढ़ाया और बताया कि डॉ. हेडगेवार ने 1921 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था, जिसके लिए उन्हें 11 महीने का कठोर कारावास भुगतना पड़ा था। उस समय के तत्कालीन जिला कलेक्टर इरविन ने डॉ. हेडगेवार के भाषणों को अत्यंत देशभक्तिपूर्ण और ब्रिटिश हुकूमत के लिए खतरनाक बताते हुए उन पर एक साल के लिए भाषण देने पर प्रतिबंध लगा दिया था। जब डॉ. हेडगेवार जेल से रिहा हुए, तो उनके स्वागत के लिए मोतीलाल नेहरू, हकीम अजमल खान, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी और विठ्ठलभाई पटेल जैसे कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेता उपस्थित थे। अनेक महान क्रांतिकारी लगातार डॉ. हेडगेवार के संपर्क में थे और वे खुद 'अनुशीलन समिति' के सक्रिय सदस्य रहे थे। पाण्डेय ने कहा कि वर्ष 1925 में संघ की स्थापना के बाद से ही महान क्रांतिकारी राजगुरु लगातार डॉ. हेडगेवार के संपर्क में रहे और अपनी गिरफ्तारी से पहले तक वे हमेशा उनका मार्गदर्शन लेते रहे। वर्ष 1929-30 में जब महात्मा गांधी ने 'नमक सत्याग्रह' शुरू किया, तो संघ ने तीन दिनों तक बैठक कर इसका पूरा समर्थन करने का निर्णय लिया।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26